सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 325 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 07 सितंबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

फ्लाईओवर के पिलरों पर सजी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत, खूबसूरत चित्रकारी कर रही आकर्षित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेशनल हाइवे 53 पर सुपेला से चंद्रा मौर्या व भिलाई पावर हाउस में बजे फ्लाईओवर के पिलरों पर आकर्षक चित्रकारी की गई है। छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाती यह चित्रकारी सड़क पर चल रहे लोगों को आकर्षित कर रही है। यह चित्रकारी न सिर्फ पिलरों को आकर्षक बना रही है बल्कि शहर की सुंदरता को भी बढ़ा रही है।

भिलाई शहर के महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त राजीव कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में शहर के विभिन्न स्थलों में सांस्कृतिक एवं संदेशपूर्ण आकर्षक पेंटिंग्स बनाई जा रही है। छत्तीसगढ़ के संस्कृति, पारंपरिक त्यौहार और शहर के सौंदर्यीकरण करण के लिए यह कलाकृति महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शहर की पहचान को नई ऊंचाई देने और स्थानीय संस्कृति को संजोने के उद्देश्य से सुपेला ओवर ब्रिज के दोनों पिलरों पर भव्य पेंटिंग्स बनाई जा रही है। वहीं दीवारों पर छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक जीवन को उकेरने और उभारने का अनूठा प्रयास किया गया है।

पेंटिंग्स से शहर न केवल खूबसूरत हैं बल्कि आने वाली पीढियां को भी अपनी संस्कृति, त्योहार और परंपराओं की जानकारी मिलेगी।

लोग जब यहां से गुजरेंगे, तो मात्र रंग नहीं देखेंगे, बल्कि छत्तीसगढ़ की आत्मा को महसूस करेंगे। यह अभियान शहर वासियों के लिए गर्व का विषय है जो बताता है कि कला सिर्फ सजावट का साधन नहीं, बल्कि संस्कृति, संदेश और पहचान का जीवंत दर्पण भी है। पेटिंग्स को बनाने वाले दुर्ग निवासी मनीष चंद्राकर जी हैं। जो इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से मास्टर ऑफ फाइन आर्ट की डिग्री प्राप्त किए हैं।

लोक परंपरा को कर रहे जीवंत

इन पेंटिंग्स के माध्यम से जहां एक और लोक कला और परंपराओं को जीवंत किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर सामाजिक व पर्यावरणीय संदेश भी दिए जा रहे हैं । इन पेंटिंग्स में सबसे आकर्षक चित्रण पंडवानी गायिका पद्म विभूषण तीजन बाई का है जिन्होंने अपनी अद्भुत गायन शैली में छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाई है। इसके साथ-साथ हरेली तिहार का दृश्य ग्रामीण परिवेश की सादगी और परंपराओं को दर्शाता है। बेल कृषि उपकरण और लोकगीतों से सजे चित्र किस संस्कृति की झलक पेश कर रहा है। पर्यावरण संरक्षण पर विशेष फोकस करते हुए जल बचाओ, जीवन बचाओ और पौधारोपण कर पर्यावरण बचाओ जैसे संदेश पिलरों पर उकेरे जा रहे हैं। यह पहल आम नागरिकों को प्रकृति के महत्व का एहसास कराती है। इसके साथ-साथ तीरथगढ़ जलप्रपात की भव्य पेंटिंग राहगीरों को आनंद के साथ प्राकृतिक धरोहर की याद दिलाती है।

खास-खबर

आईटीबीपी अफसर का पिस्टल चुराने वाला गिरफ्तार, रेलवे पुलिस का खुलासा

रायपुर। हटिया-दुर्ग एक्सप्रेस के जनरल कोच में मंगलवार को इंडियन तिब्बत पुलिस के एएसआई और हेड कांस्टेबल की सर्विस रिवाल्वर, 4 मैगजीन और 24 जिंदा कारतूस के चोरी मामले में रायपुर जीआरपी एसपी श्वेता सिन्हा ने बड़ा खुलासा किया है। जीआरपी ने इस मामले में आरोपी रंजीत मरकाम को गिरफ्तार किया है और उनके पास से दो रिवाल्वर , 4 मैगजीन और 24 ज़िंदा कारतूस जब्त किया है। जीआरपी एसपी ने चोरी का खुलासा करते हुए बताया कि आईटीबीपी के एएसआई वायपी ओझा, हेड कॉन्स्टेबल (टेलीकॉम) जितेंद्र सिंह और कॉन्स्टेबल बुद्ध देव मलिक हटिया से दुर्ग जा रहे थे। रात 3 बजे ट्रेन चांपा स्टेशन पर पहुंची तब वे सो गए। सुबह 5.50 बजे भाटापारा स्टेशन पर उनकी नींद खुली तो बैग गायब था। ओझा ने तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना दी। इसके बाद चांपा से लेकर भाटापारा तक फुटेज खंगाले गए। जांच के दौरान बिलासलपुर रेलवे स्टेशन चौक से तितली चौक के बीच झाड़ियों में शिकायतकर्ता के दस्तावेज और कपड़े बरामद हुए। पिस्टल रखा पिट्ठू बैग चोरी करने वाला चोर बेहद शातिर निकला। चोर ने पुलिस और जीआऱपी को गुमराह करने के लिए दो अलग-अलग जगह कपड़े और दस्तावेज फेंके। पहली बार सामान जीआरपी दफ्तर के पीछे मिला, जबकि दूसरी बार कोच रेस्टोरेंट के पास। जांच के दौरान जीआरपी यहां भी गुमराह हो गई, क्योंकि यहां से तीन रास्ते निकलते हैं, जिससे अफसर असमंजस में थे कि चोर आखिर किस दिशा में गया। लेकिन चोर की ये चालाकी जीआरपी के सामने ज्यादा दिनों तक चली नहीं और अब आरोपी जीआरपी की गिरफ्त में है।

कोरबा में डीएसपी के ड्राइवर को आया हार्ट अटैक, मौत

कोरबा। पुलिस विभाग में लगातार हो रही मौतों से पूरा पुलिस परिवार शोक में है। एमटी शाखा में पदस्थ 27 वर्षीय आरक्षक सुरेंद्र लहरे की हार्ट अटैक से मौत हो गई। सुरेंद्र डीएसपी प्रतिभा मरकाम के ड्राइवर के रूप में भी पदस्थ थे। दरअसल, सुरेंद्र को अचानक सीने में दर्द हुआ। परिजन और सहयोगी उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सुरेंद्र की शादी को कुछ ही साल हुए थे। उनके पीछे 8 माह का बच्चा है। बालको सेक्टर-3 निवासी सुरेंद्र अपने मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते थे। विभागीय अधिकारियों ने शोक संतप्त परिवार को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। इससे पहले, पुलिस लाइन में रहने वाले तीन पुलिसकर्मियों के बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हुई। एक दिन बाद टीआई मंजूषा पांडे की बीमारी से मृत्यु हो गई। लगातार हो रही इन घटनाओं से पुलिस परिवार में शोक का माहौल है।

रायपुर एम्स में रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का शुभारंभ सीएम साय बोले- चिकित्सा विकास में एक नया आयाम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वयं किया 'देव हस्त' पर पहला ड्राई लैब डिसेक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को राजधानी रायपुर स्थित टाटीबंध में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मध्य भारत के शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों के प्रथम रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम 'देव हस्त' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जरी छत्तीसगढ़ में चिकित्सा सुविधाओं के विकास में एक नया आयाम है। यह ऐतिहासिक क्षण प्रदेश की जनता को अत्याधुनिक और बेहतर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री साय ने स्वयं 'देव हस्त' पर पहला ड्राई लैब डिसेक्शन कर इस अत्याधुनिक तकनीक की औपचारिक शुरुआत की। यह सिस्टम मध्य भारत के किसी शासकीय स्वास्थ्य संस्थान में स्थापित होने वाला पहला रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर एम्स रायपुर में छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भर्ती होने वाले मरीजों के परिजनों के ठहरने की सुविधा हेतु एम्स रायपुर में सर्व-सुविधायुक्त परिजन निवास निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्टरों को धरती पर भगवान का रूप माना जाता है क्योंकि वे हमें जीवन प्रदान करते हैं। आज जिस रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का शुभारंभ हो रहा है, उसे 'देव हस्त' नाम दिया गया है। इसका लाभ न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि एम्स रायपुर में भर्ती होने वाले अन्य राज्यों के मरीजों को भी मिलेगा। एम्स रायपुर उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में लगातार मील का पत्थर साबित हो रहा है।

रायपुर एम्स से खास लगाव

मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एम्स रायपुर से मुझे विशेष लगाव है। उन्होंने कहा कि जब रायपुर एम्स के निर्माण को स्वीकृति मिली, उस समय मैं सांसद था और प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी से छत्तीसगढ़ में एम्स की शाखा स्थापित करने का आग्रह किया था। यह आवश्यक था ताकि दिल्ली स्थित एकमात्र एम्स पर मरीजों का दबाव कम हो और अन्य राज्यों के लोगों को भी उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उनके राज्य में ही उपलब्ध हो। हमारा सौभाग्य है कि जिन छह राज्यों में एम्स स्थापित करने की स्वीकृति मिली, उनमें छत्तीसगढ़ भी शामिल था।

एम्स रायपुर में बनेगा सर्व-सुविधायुक्त परिजन निवास

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने परिजन निवास की घोषणा करते हुए कहा कि दूर-दराज से आने वाले मरीजों के परिजनों के ठहरने की सुविधा कितनी आवश्यक है, यह मैं भली-भांति समझता हूं। सांसद रहते हुए दिल्ली स्थित मेरे आवास को लोग 'मिनी एम्स' कहते थे क्योंकि वहां मैं मरीजों के परिजनों की रुकने की व्यवस्था करता था। जनसेवा का यह कार्य मेरे दिल के बेहद करीब है। 2014 से 2019 के संसदीय कार्यकाल में मैंने लगभग 12 करोड़ रुपए प्रधानमंत्री राहत कोष से मरीजों को दिलवाए थे। रायपुर में भी कुनकुरी सदन में मरीजों के परिजनों की व्यवस्था की गई है, जिसका लाभ पूरे प्रदेश के लोग उठाते हैं।

बीते 20 माह में 5 नए मेडिकल कॉलेजों की स्वीकृति

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बीते 20 महीनों में सरकार बनने के बाद राज्य में पाँच नए मेडिकल कॉलेजों को स्वीकृति मिली है और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नवा रायपुर में 5,000 बिस्तरों की क्षमता वाली मेडिसिटी का निर्माण किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय मात्र एक मेडिकल कॉलेज था, जबकि आज प्रदेश में 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। उन्होंने कहा कि जीवनशैली और खान-पान में बदलाव के कारण कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में वृद्धि हुई है और इनका इलाज भी महंगा होता है। इसी वजह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना प्रारंभ की, जिसके अंतर्गत गरीब वर्ग के लोगों को पाँच लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध है। अब वय वंदन योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी वर्गों के मरीजों को भी यह सुविधा प्रदान की जा रही है।

चिकित्सा पद्धति में रोबोटिक सर्जरी का विशेष महत्व

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि समय के साथ जहां चिकित्सा सुविधाएं बढ़ रही हैं, वहीं बीमारियों का दायरा भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति में रोबोटिक सर्जरी का विशेष महत्व है। इसके माध्यम से चिकित्सकीय क्षमता और गुणवत्ता में कई गुना वृद्धि की जा सकती है। छत्तीसगढ़ को 'देव हस्त' रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम का अत्यधिक लाभ मिलेगा और शीघ्र ही राजधानी रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भी रोबोटिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने 'देव हस्त' के नामकरण हेतु आयोजित प्रतियोगिता की विजेता ज्योत्स्ना किराडू को पांच हजार रुपये की पुरस्कार राशि भेंट की। कार्यक्रम में एम्स के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. अशोक जिंदल, विभागाध्यक्ष डॉ. देवज्योति मोहंती, बड़ी संख्या में चिकित्सा छात्र और गणमान्यजन उपस्थित थे।

दुर्ग में देर रात युवक की हत्या, चाइनीज फुड सेंटर में खाने को लेकर विवाद के बाद सिलेंडर से सिर पर वार

- **कोतवाली थाना क्षेत्र का मामला, आरोपी गिरफ्तार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात युवक की हत्या से हड़कंप मच गया। यहां के कचहरी वार्ड स्थित एक चाइनीज फुड सेंटर में खाने को लेकर हुए विवाद के बाद सिलेंडर से सिर पर वार किए जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना कचहरी वार्ड में स्थित जय हनुमान मुंबई वेज चाइनीज दुकान की है। यहां शंभु उडिया व भूपेन्द्र सागर खाना खाने पहुंचे।

शनिवार देर रात खाने को लेकर दोनों में विवाद हुआ। विवाद बढ़ा तो भूपेन्द्र सागर ने शंभु उडिया के सिर पर दुकान में रखे सिलेंडर से तीन से चार बार वार किया। इससे मौके पर ही शंभु उडिया की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी भूपेन्द्र सागर की तलाश तेज की। अलग अलग टीमें उसे पकड़ने लगाई गई। घटना के चंद घंटों बाद ही पुलिस ने आरोपी भूपेन्द्र सागर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी भूपेन्द्र सागर नशे का आदि है और अक्सर गाली गलौच करते रहता है। शनिवार को गणेश विसर्जन का दिन था और नशे में यह गाली गलौच कर रहा था। संभवतः इसी बात पर शंभु उडिया का विवाद हुआ जो हत्या का कारण बन गया।

बस्तर बाढ़ पीड़ितों के लिए एमपी के सीएम मोहन यादव ने दी 5 करोड़ की सहायता राशि, सीएम साय ने जताया आभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ के बाढ़ प्रभावित दंतेवाड़ा जिले के लिए 5 करोड़ रुपऐ की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। इसके साथ ही, राहत सामग्री लेकर एक ट्रेन छत्तीसगढ़ के लिए रवाना की जाएगी। इस पहल का स्वागत करते हुए छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने सीएम यादव का आभार जताया है।

एमपी के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। मध्यप्रदेश सरकार ने मुख्यमंत्री राहत कोष से 5 करोड़ रुपए की सहायता प्रदान की है। राहत सामग्री से लदी ट्रेन भी जल्द रवाना होगी। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि पड़ोसी राज्य होने के नाते मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ के साथ हर संभव मदद के लिए तत्पर है। डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री की भावना के अनुरूप, संकट के समय सभी सरकारों को एकजुट होकर सहयोग करना चाहिए। इसी दृष्टिकोण के साथ मध्यप्रदेश पड़ोसी धर्म का पालन करते हुए छत्तीसगढ़ के बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ा है। भविष्य में भी आवश्यकता पड़ने पर हरसंभव सहायता दी जाएगी।

सीएम साय ने कहा हृदय से धन्यवाद

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि आपके इस सौजन्य के लिए हृदय से धन्यवाद मोहन यादव जी। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ न केवल पड़ोसी राज्य हैं, अपितु आत्मीय बंधन से जुड़े परिवार की तरह हैं। आपदा की घड़ी में आपका यह सहयोग निश्चित ही बस्तर संभाग के हमारे प्रभावित जनों को संबल प्रदान करेगा। पुनः धन्यवाद।

ऐसे में क्या तीरथ का देवी दर्शन

श्रीकंचनपथ

उच्च स्थान को हमेशा सम्मान का माना गया है। गुरू का, राजा का, देवता का स्थान हमेशा शिष्य, प्रजा और भक्तों से ऊंचा रहा है। कुछ स्कूल-कॉलेजों में आज भी शिक्षक के लिए मंच की व्यवस्था होती है। हमें बताया गया है कि ऋषि घने जंगलों में या दुर्गम पहाड़ियों में रहा करते थे। तपस्वी हिमालय की दुर्गम चोटियों पर चले जाते थे। वजह एक ही थी कि स्थान ऐसा हो जहां ज्यादा कोलाहल न हो। हर कोई आ जा न सका। प्रकृति के करीब रहकर आध्यात्म की साधना की जा सके। मन की जटिल गांठों को खोला जा सके और मानवीय समस्याओं का समाधान निकाला जा सके। ऐसे ही स्थानों पर जाकर प्रकृति के साथ स्वयं को आत्मसात किया जा सकता है। दोनों के अंतर्सम्बंधों को समझा जा सकता है। ऐसे ही स्थानों को बाद में तीर्थ कहा गया जहां जाने के लिए कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती थी। जो लोग स्वयं को, अपने शारीरिक सुखों को, अपने परिवारों को छोड़कर इस लंबी यात्रा पर निकल पाते थे, वे ही वस्तुतः मोक्ष के पात्र होते थे। मोक्ष का एक अर्थ सबकुछ पीछे छोड़कर स्वयं को ईश्वर के हवाले कर देना भी होता है। ऐसी स्थिति में मनुष्य किसी भी शोक-ताप से परे हो जाता है। पर आधुनिक काल में सबकुछ उलट पलट हो गया। लोग चुटकियों में तीर्थ यात्रा करने लगे हैं। कोई रोप-वे में चढ़कर तो कोई हेलीकाप्टर में बैठकर ऊंची चोटियों और टीलों पर जाने लगा है। न सुख छूटा, न सुविधा छूटी और न छूटा परिवार। लोग नौकरी के बीच में भी तीर्थ यात्रा करते रहे। वहां बैठे-बैठे भी दफ्तर के काम करने लगे। वर्क फ्रॉम होम चलता रहा। शनिवार को गुजरात के पावागढ़ तीर्थ में एक ऐसा ही रोप-वे टूट गया। इसमें सवार मजदूर, रोपवे ऑपरेटर सहित छह लोगों की मौत हो गई। वो तीर्थयात्री नहीं थे बल्कि तीर्थ यात्रियों की जरूरत का सामान पहाड़ की चोटी पर पहुंचा रहे थे। क्योंकि अब तीर्थयात्री अपनी जरूरत का सामान पोटली में लेकर अंतिम यात्रा पर नहीं निकलते। वो तो रिकार्ड कायम करने की कोशिश करते हैं। उनके पास पैसों की ताकत है। पूरा व्यापार जगत उनके लिए सुविधाएं जुटाने में लगा हुआ है। कुछ लोग तो अब जीते जी स्वयं का पिंडदान भी कर लेते हैं। एक फिल्म आई थी केदारनाथ। इसमें खूबसूरती से दर्शाया गया था कि किस तरह तीर्थ स्थलों को पर्यटन केन्द्रों में तब्दील करने की कोशिशें हो रही हैं। ठण्डा गर्म पानी, एसी बेडरूम, सारी सुख सुविधाएं घर जैसी। जो लोग कुछ भी अपने पीछे छोड़कर नहीं आ सकते तो पहाड़ों को तो छोड़ ही दें तो अच्छा। उनके लिए सुख सुविधाएं जुटाते जुटाते प्रकृति दम तोड़ रही है। इस साल लगभग पूरा उत्तर भारत विनाशकारी प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में है। फिर भी लोगों की आंखें नहीं खुल रही हैं। तीर्थ तभी करें जब मोक्ष की इच्छा बलवान हो।

संपादकीय

प्रकृति की चेतावनियों को समझ पाते

बारिश और बाढ़ के कारण भारत के कई राज्यों में भारी तबाही हुई है। एक तरफ नदियां उफान पर हैं, तो दूसरी तरफ पहाड़ टूट रहे हैं। महाराष्ट्र में पिछले कई दिनों से बारिश का कहर जारी है। मूसलाधार बारिश के बाद बाढ़ के कारण जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। देश के अनेक हिस्सों में बाढ़ के कारण कई लोगों की मौत हो चुकी है। राजस्थान में कई जगहों पर भारी बारिश के कारण स्थिति खराब हो गई है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी कई जगहों पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से पार पहुंचने के कारण हालात खराब हैं। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से भूस्खलन होने के कारण कई सड़कें बंद हैं। त्रिपुरा में भी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और नगालैंड में भी यही हाल हैं।

> भारी बारिश की वजह से देश के कई हिस्सों में बाढ़ के हालात हैं। विकास परियोजनाओं के लिए जिस तरह जंगलों को नष्ट किया गया, उसने स्थिति को और भयावह बना दिया है। इसके कारण मानसून तो प्रभावित हुआ ही, भू-क्षरण एवं नदियों द्वारा कटाव किए जाने की प्रवृत्ति भी बढ़ी। बाढ़-सूखा जमाने से जीवन को परेशानी में डालते रहे हैं। बाढ़-सूखा प्राकृतिक आपदाएं भर नहीं हैं, बल्कि प्रकृति की चेतावनियां भी हैं। सवाल है कि क्या हम पढ़-लिख लेने के बावजूद प्रकृति की चेतावनियों को समझ पाते हैं। विडम्बना ही है कि पहले से अधिक पढ़े-लिखे समाज में प्रकृति के साथ सामंजस्य बैठा कर जीवन जीने की समझदारी अभी भी विकसित नहीं हो पाई है।

बाढ़-सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाएं पहले भी आती थीं लेकिन उनका अपना अलग शास्त्र और तंत्र था। इस दौर में मौसम विभाग की भविष्यवाणियों के बावजूद हम बाढ़ का पूर्वानुमान नहीं लगा पाते। दरअसल, प्रकृति के साथ जिस तरह का व्यवहार हम कर रहे हैं, उसी तरह का व्यवहार प्रकृति भी हमारे साथ कर रही है। पिछले कुछ समय से भारत को जिस तरह सूखे-बाढ़ का सामना करना पड़ा है, वह आईपीसीसी की जलवायु परिवर्तन पर आधारित उस रिपोर्ट का ध्यान दिलाता है, जिसमें जलवायु परिवर्तन के कारण बाढ़-सूखे जैसी आपदाओं की चेतावनी दी गई थी।

आज ग्लोबल वार्मिंग जैसा शब्द इतना प्रचलित हो गया है कि इस मुद्दे पर हम बनी-बनाई लीक पर ही चलना चाहते हैं। यही कारण है कि कभी हम आईपीसीसी की रिपोर्ट को संदेह की नजर से देखने लगते हैं, तो कभी ग्लोबल वार्मिंग को अनावश्यक हौव्वा मानने लगते हैं। विडंबना ही है कि हम इस मुद्दे पर बार-बार सच से मुंह मोड़ना चाहते हैं। दरअसल, प्रकृति से छेड़छाड़ का नतीजा जलवायु परिवर्तन के किस रूप में हमारे सामने होगा, यह नहीं कहा जा सकता। जलवायु परिवर्तन का एक ही जगह पर अलग-अलग असर हो सकता है। यही कारण है कि हम बार-बार बाढ़-सूखे का ऐसा पूर्वानुमान नहीं लगा पाते जिससे लोगों की जान-माल की समय रहते पर्याप्त सुरक्षा हो सके।

शहरों और कस्बों में होने वाले जल-भराव के लिए काफी हद तक हम भी जिम्मेदार हैं। पिछले कुछ वर्षों में कस्बों और शहरों में जो विकास और विस्तार हुआ है, उसमें पानी की समुचित निकासी की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। गंदे नालों की पर्याप्त सफाई न हाने से उनकी पानी बहा कर ले जाने की क्षमता लगातार कम हो रही है। यही कारण है कि अधिकतर कस्बों और शहरों में थोड़ी बारिश होने पर ही सड़कों पानी भर जाता है। गौरतलब है कि 1950 में हमारे यहां लगभग ढाई करोड़ हेक्टेयर भूमि ऐसी थी जहां पर बाढ़ आती थी लेकिन अब लगभग सात करोड़ हेक्टेयर भूमि ऐसी है, जिस पर बाढ़ आती है। हमारे देश में केवल चार महीनों के भीतर ही लगभग अस्सी फीसद पानी गिरता है। उसका वितरण इतना असमान है कि कुछ इलाके बाढ़ और बाकी इलाके सूखा झेलने को अभिशप्त हैं।

ऐसी भौगोलिक असमानताएं हमें बहुत कुछ सोचने को मजबूर करती हैं। पानी का सवाल जैविक आवश्यकता से भी जुड़ा है। हमें यह सोचना होगा कि बाढ़ के पानी का सदुपयोग कैसे किया जाए। बाढ़ के संबंध में विशेषज्ञ चेतावनी देते रहते हैं कि भविष्य में बाढ़ की प्रवृत्ति और प्रकृति लगातार बदलती रहेगी। इसलिए हमें एक तरफ अपने आपदा प्रबंधन तंत्र को सक्रिय बनाना होगा तो दूसरी तरफ अपने पारंपरिक जल स्रोतों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा।

गौरतलब है कि देश में बाढ़ से होने वाले नुकसान का लगभग साठ फीसद उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, असम और आंध्र प्रदेश में बाढ़ के माध्यम से होता है। बाढ़ केवल हमारे देश में ही कहर नहीं ढा रही है, बल्कि चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल जैसे देश भी इसी तरह की समस्या से जूझ रहे हैं। हालांकि हमारे देश में सूखे-बाढ़ से पीड़ित लोगों के लिए अनेक घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन मात्र घोषणाओं के सहारे ही पीड़ितों का दर्द कम नहीं होता है। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इन घोषणाओं का लाभ वास्तव में पीड़ितों तक भी पहुंचे।

मोदी के आगे ट्रंप का ये हाल, विकासशील देशों के नेताओं में आया नया जोश और आत्मविश्वास

नीरज कुमार दुबे

> ट्रंप ने भारत को अत्यधिक टैरिफलगाने वाले देशों में रखा, 50% शुल्क थोपे और फेज-2 व फेज-3 की धमकियां दीं। यही नहीं, रूस से तेल खरीद को लेकर भी भारत को निशाना बनाया। उस समय उन्होंने अपने व्यवहार और नीतियों से ही भारत को दूरी बनाने पर मजबूर किया था।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तस्वीर साझा कर यह टिप्पणी की है कि अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया। यह बयान अमेरिकी दृष्टिकोण की उस बेचैनी को दर्शाता है, जिसे भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और उसकी वैश्विक संतुलनकारी भूमिका बार-बार उजागर करती रही है। साथ ही ट्रंप का यह बयान इस बात का प्रतीक है कि वैश्विक राजनीति में मित्रता और साझेदारी स्थायी नहीं होती, बल्कि वे केवल आपसी हितों और संतुलन पर आधारित होती हैं।

दरअसल, ट्रंप ने भारत को अत्यधिक टैरिफलगाने वाले देशों में रखा, 50% शुल्क थोपे और फेज-2 व फेज-3 की धमकियां दीं। यही नहीं, रूस से तेल खरीद को लेकर भी भारत को निशाना बनाया। उस समय उन्होंने अपने व्यवहार और नीतियों से ही भारत को दूरी बनाने पर मजबूर किया था। आज जब भारत स्वतंत्र रूप से अपने हित साध रहा है और अमेरिका से भी संतुलित रिश्ते रखे हुए है, तो ट्रंप को इस खोने का गम सता रहा है।

इसी बीच पीटर नेवारो के भ्रामक बयानों को भारत के विदेश मंत्रालय ने सीधे खारिज कर दिया है। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट कहा कि भारत-अमेरिका संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण और सामरिक साझेदारी के स्तंभों पर आधारित हैं और यह रिश्ते कई उतार-चढ़ाव झेल चुके हैं, लेकिन आगे बढ़ने की क्षमता उनमें बनी हुई है। यह संकेत है कि भारत, अमेरिकी घरेलू राजनीति की बयानबाजी से प्रभावित हुए बिना, रिश्तों को दीर्घकालिक और रणनीतिक नजरिए से देख रहा है। साथ ही, अलास्का में चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास और 2+2 बैठक का उल्लेख कर भारत ने यह संदेश दिया कि साझेदारी की वास्तविकता शोर-शराबे से कहीं गहरी है।

इसके अलावा, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने क्वॉड (Quad) को साझा हितों के लिए एक मूल्यवान मंच बताया। यह चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है कि वह समान विचारधारा वाले देशों के साथ मिलकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र की स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं, रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत की टिप्पणी-शांति स्थापना और संघर्ष के शीघ्र अंत की आवश्यकता, दर्शाती है कि नई दिल्ली अब भी रणनीतिक स्वायत्तता की नीति पर अडिग है।

देखा जाये तो ट्रंप की झुंझलाहट भारत की उस विदेश नीति का परिणाम है जिसमें वह न तो किसी दबाव में झुकता है और न ही किसी धुरी का अंधानुकरण करता है। अमेरिका की घरेलू राजनीति के माहौल में ट्रंप के ऐसे बयानों का राजनीतिक महत्व हो सकता है, लेकिन भारत का संदेश साफ है- वह अपने हितों, साझेदारियों और संतुलनकारी भूमिका को ही सर्वोपरि रखेगा।

इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप के राजनीतिक जीवन का एक बड़ा विरोधाभास यही रहा है कि वह अक्सर अपने ही सहयोगियों और विशेषज्ञों की सलाह को दरकिनार करते हुए हठीले अंदाज में फैसले लेते रहे हैं। भारत के संदर्भ में भी यही हुआ है। ट्रंप प्रशासन के भीतर से उन्हें चेताया गया था कि भारत विरोधी बयानबाजी और पाकिस्तान-परस्ती की छवि अमेरिका के दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुँचा सकती है। कई अमेरिकी विशेषज्ञों ने भी स्पष्ट कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हल्के में लेना एक बड़ी भूल होगी। लेकिन ट्रंप अपनी मनमानी पर अड़े रहे, कभी अनुचित टैरिफ थोपे, कभी रूस से संबंध खत्म करने के लिए भारत पर दबाव बनाया और कभी पाकिस्तान के साथ भारत की तुलना करके भ्रम फैलाया।

यहीं पर प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व उभर कर सामने आया। मोदी ने बिना किसी हिचकिचाहट के ट्रंप के हर दबाव का सामना किया और यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। चाहे रूस से तेल खरीद का मामला हो या टैरिफ विवाद, भारत ने अमेरिका को बता दिया कि वह अपने निर्णय स्वतंत्र रूप से लेगा। यह रुख केवल ट्रंप ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक सबक था कि नई दिल्ली अब किसी की जूनियर पार्टनर नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति का आत्मनिर्भर और दृढ़ खिलाड़ी है।

मोदी का यह साहसिक रवैया इसलिए और उल्लेखनीय है क्योंकि विश्व राजनीति में अक्सर छोटे-बड़े देश अमेरिकी दबाव में झुक जाते हैं। लेकिन भारत ने अपने आकार, सामर्थ्य और रणनीतिक महत्व के अनुरूप ही जवाब दिया। इसने ट्रंप को यह एहसास कराया कि भारतीय नेतृत्व को हल्के में लेना बड़ी राजनीतिक भूल है। मोदी ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत अब दबाव से नहीं, बल्कि अपने विवेक और राष्ट्रीय हित के आधार पर निर्णय लेता है। यही कारण है कि आज ट्रंप पछतावे की भाषा बोल रहे हैं, जबकि मोदी की छवि एक मजबूत, निर्णायक और वैश्विक नेता के रूप में और प्रखर हुई है।

इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय राजनीति में प्राय: यह देखा गया है कि विकासशील देश बड़ी शक्तियों के दबाव के आगे झुक जाते हैं। अमेरिका, यूरोप या चीन जैसे प्रभावशाली देशों के सामने उनके निर्णय अक्सर अस्थिर हो जाते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप जैसे दबावपूर्ण नेता के दौर में जो साहस और स्पष्टता दिखाई, उसने भारत को ही नहीं, बल्कि पूरे ग्लोबल साउथ को नया आत्मविश्वास दिया है। जब ट्रंप प्रशासन ने रूस से तेल आयात रोकने और टैरिफ संबंधी धमकियों के जरिए भारत पर दबाव डालने की कोशिश की, तब मोदी ने बिना हिचक भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हितों को सर्वोपरि रखा। यह स्पष्ट संदेश था कि भारत किसी के दबाव में आकर अपने राष्ट्रीय हितों का सौदा नहीं करेगा। यही कदम विकासशील देशों के लिए प्रेरणा बना।

देखा जाये तो मोदी का दबाव-प्रतिरोध केवल भारत की कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि विकासशील देशों के लिए मनोवैज्ञानिक सहारा भी है। अब एशिया से लेकर अफ्रीका और लैटिन अमेरिका तक कई राष्ट्र यह विश्वास करने लगे हैं कि वह भी बड़ी ताकतों के सामने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सकते हैं। मोदी की छवि आज इस आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुकी है। इसीलिए तमाम विकासशील देशों में मोदी की नेतृत्व क्षमता और उनसे प्रेरणा लेने की बातें होने लगी हैं।

भारत-चीन संबंधों का नया दौर का एक विश्लेषण

अजय दीक्षित

> 1962 की कड़वाहट को 63 वर्ष बाद भारत और चीन नए सिरे से लिखने की भूमिका बना रहे हैं। इसी सिलसिले में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन पहुंचे हैं इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अभी हाल में चीन में थे । यह घटनाक्रम यू एस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए जा रहे पचास फीसदी टैरिफ से शुरू हुआ है।इसी दौर में ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल मुनीर खान को वाशिंगटन बुलाया गया था और उनके साथ ट्रंप ने डिनर कर यह संकेत दिया था कि पाकिस्तान उसके लिए महत्वपूर्ण है।

हालांकि भारत के साथ ट्रंप की नीति क्यों बदली इसको लेकर कई धारणाएं हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने डोनॉल्ड ट्रंप को नोबेल पुरस्कार देने की सहमति देने से इनकार कर दिया था जबकि व्हाइट हाउस की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीन बार संपर्क किया गया था। पाकिस्तान ने इस बात को प्राथमिकता दी और सार्वजनिक रूप से सहमति दी। हालांकि कूटनीतिक क्षेत्र में यह बात समझ में नहीं आती है लेकिन और भी बहुत से कारण हैं।

दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स में जो आज रिपोर्ट प्रकाशित हुई है उसमें कहा गया है कि यूक्रेन रूस युद्ध समाप्त नहीं होने के पीछे भारत है जो रूस से लगातार सस्ती दरों के नाम पर क्रूड ऑयल,गैस खरीद रहा है और रूस को उसी धन से मदद कर रहा है। अमेरिकन पेंटागन अधिकारियों ने बकायदा पत्र लिख कर यू एस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप को कहा है कि रूस यूक्रेन पर कब्जा कर ही दम लेगा। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी खपत का चालीस फीसदी क्रूड ऑयल रूस, से खरीद रहा है। वह भी विश्व बाजार से 30 फीसदी तक सस्ता है और कारोबार रुपए में है। यू एस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप कई बार युद्ध समाप्त करने का प्रयास कर चुके हैं लेकिन पुतिन नहीं मान रहे हैं। हालांकि चाइना भी ऐसा ही कर रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉनल्ड ट्रंप की नीति से निपटने के लिए अब चीन की ओर रुख किया है। भारत पहले से ही बहुत सी कच्चा मॉल चीन से खरीदता है। जिसमें दवाइयों का रो मटेरियल, शामिल है। रूसी विचारक, कहानीकार, कवि, टॉलस्टाय ने कहा था कि दो लोगों के संबंध हो सकते हैं लेकिन दो राष्ट्रों के संबंध बिल्कुल व्यवसायिक होते हैं।

चाइना पाकिस्तान या भारत अमेरिका के संबंध एक दूसरे के हितों पर आधारित होते हैं। चाइना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबसे पहले गलवान घाटी, अरुणाचल प्रदेश में सीमा विवाद जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देना चाहेंगे।1962 में जवाहर लाल नेहरू को चीन से धोखा मिला था। उनकी विदेश नीति मटियामेट हो गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फूंक-फूंक कर कदम रखेंगे। व्यापार के मुद्दे पर भारत और चीन दोनों को आसानी होगी। पाकिस्तान भी एक मसला होगा क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान चाइना के हथियारों से लड़ा था।

बुनियादी ढांचे की कमी महिलाएं ज्यादा हैं असुरक्षित

> देश में प्रति दिन औसतन 86 रेप होते हैं। यह संख्या वह है, जो पुलिस के रिकार्ड में दर्ज की जाती है। हर दिन होने वाले ढेरों रेप या रेप के प्रयास, हिंसक छेड़छाड़ और अभद्रता की संख्या का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

राष्ट्रीय वार्षिक महिला सुरक्षा रिपोर्ट व सूचकांक-2025 के अनुसार दिल्ली समेत पटना, जयपुर, कोलकाता, श्रीनगर, रांची व फरीदाबाद महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित हैं जबकि मुंबई, कोहिमा, भुवनेर, विशाखापत्तनम व गंगटोक सबसे सुरक्षित। कोहिमा व अन्य सुरक्षित शहरों में महिलाओं को ज्यादा समानता, नागरिक भागीदारी, बेहतर पुलिस व्यवस्था व अनुकूल बुनियादी ढांचा बताया जा रहा है। यह सर्वेक्षण देश के इक्तीस शहरों की बारह हजार 770 महिलाओं पर किया गया।

दस में से छह महिलाओं ने खुद को अपने शहर में सुरक्षित बताया जबकि 40 प्रतिशत ने ज्यादा सुरक्षित नहीं या असुरक्षित माना। करीब 91 प्रतिशत महिलाएं कार्यस्थल पर खुद को सुरक्षित बता रही हैं। 7 प्रतिशत महिलाएं मानती हैं कि सार्वजनिक स्थल पर उन्होंने बीते वर्ष उत्पीड़न झेला। हालांकि हर तीन में से दो महिलाएं उत्पीड़न की शिकायत नहीं करतीं। 29 प्रतिशत सार्वजनिक परिवहन में और 38 प्रतिशत पड़ोस में उत्पीड़न का शिकार होती हैं। जिन शहरों में बेहतर बुनियादी ढांचे की कमी है, वहां महिलाएं ज्यादा असुरक्षित हैं।

स्वीकार करना होगा कि असुरक्षित महसूस करने वाली जगहों के नागरिकों की शिक्षा, सोच व संस्थागत जवाबदेही का कमजोर होना प्रमुख कारण हैं। हालांकि सवा अरब की आबादी में पौने तेरह हजार महिलाओं पर अध्ययन नाममात्र ही कहा जाएगा। ऐसे अध्ययनों में कुछ लाख नागरिकों को शामिल किया जाना चाहिए। रस्मादायगी के तौर पर सर्वेक्षण समाज या देश के लिए हितकारी नहीं कहे जा सकते। इनके निष्कषरे के अनुसार कदम उठाए जाने चाहिए। राज्य सरकारों, महिला आयोग जैसी संस्थाओं पर कड़ाई रहनी चाहिए। पितृसत्तात्मक बर्ताव, स्त्री उपेक्षा व लैंगिक विभेद के प्रति नागरिकों को जागरूक करना होगा। आंकड़ों को प्रकाशित/प्रसारित करने भर की रस्म से सुधार संभव नहीं हैं। जमीनी स्तर पर भी गंभीरतापूर्वक काम होना चाहिए। रेप, छेड़छाड़, व्यभिचार को असुरक्षा की स्थिति से अलग नहीं किया जा सकता। सोच और रवैया, दोनों बदलने के साथ ही संबंधित विभागों, पुलिस और प्रशासन को जिम्मेदार बनाना भी जरूरी है।

भारत के प्रधानमंत्री को पूरा विश्व दे रहा सम्मान और विपक्ष कर रहा अपमान

मृत्युंजय दीक्षित

> बिहार विधानसभा चुनाव-2025 को लेकर राजनैतिक दलों की गतिविधियां तीव्र हो चली हैं। यद्यपि अभी वहां चुनाव होने में दो माह से अधिक का समय शेष है तथापि चुनावी घमासान चरम पर पहुंच गया है। चुनाव आयोग ने मतदाता सूची को ठीक करने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर कराया तो राहुल बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ वोटर अधिकार यात्रा निकालने में लग गए जिसमें उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव सहित तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन भी शामिल हुए।

राहुल गांधी की यह यात्रा तो थी वोटर अधिकार रैली किंतु आगे बढ़ते हुए बन गई बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठिया बचाओ और उनको मतदाता बनाओ रैली। राहुल गांधी की बिहार में आयोजित वोटर अधिकार रैली में भारत के प्रति अपनेपन का गहरा अभाव रहा। तमिल नेता स्टालिन को बुलाकर हिंदी भाषा का अपमान किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं ने पटना रैली में भारत व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित चुनाव आयोग के खिलाफ जी भरकर नफरत भरी बयानबाजी की और अपशब्द कहे। यात्रा अंतिम चरण तक पहुँचते पहुँचते इतनी जहरीली हो गई कि राहुल के करीबी नेताओं ने भरे मंच प्रधानमंत्री की माँ के लिए लिंगवाचक गालियों का प्रयोग कर दिया। इस प्रकार राहुल गांधी अपना परमाणु बम प्रभावहीन होने बाद हाइड्रोजन बम की तलाश में हैं।

वोटर अधिकार यात्रा अराजकता और राहुल गांधी व उनके समर्थकों की अनुशासनहीनता और अभद्रता के प्रदर्शन के कारण ही चर्चा में रही। जिस समय पूरा वैश्विक समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुनना और उनका मार्गदर्शन प्राप्त करना चाह रहा है, उनके नेतृत्व में एक नया वर्ल्ड आर्डर आकार ले रहा है उस समय राहुल गांधी-तेजस्वी यादव व अन्य नेताओं ने मोदी व उनकी मां तक का अपमान करने का कोई अवसर नही छोड़ा। राहुल गांधी के नेतृत्व वाला संपूर्ण विपक्ष बहुत ही ओछी प्रवृत्ति का उदाहरण प्रस्तुत करता रहा।

बिहार के दरभंगा जिले में कांग्रेस के मंच से एक स्थानीय मुस्लिम नेता मोहम्मद रिजवी ने प्रधानमंत्री मोदी की मां को अपशब्द कहे, उससे भी आश्चर्यजनक बात यह रही कि राहुल गांधी ने अपने कार्यकर्ता की उस शर्मनाक हरकत के लिए सार्वजनिक माफी तक नहीं मांगी बल्कि अलग अलग तरह से उसका बचाव किया। वोटर अधिकार रैली का सारा प्रकरण अब प्रधानमंत्री मोदी व उनकी मां के अपमान की ओर झुक गया। प्रधानमंत्री मोदी की मां के अपमान की चारों ओर निंदा हो रही है। जो लोग वोट चोर के नारे से नायक बनने निकले थे अब उनके चेहरे पर हवाईयां उड़ती दिख रही हैं।

पीएम मोदी को 111वीं गाली व मां का अपमान अब विपक्ष पर भारी- हर बार की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विरोधी दलों के नेताओं की गालियों को अपना हथियार बना लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार की महिलाओं को एक कार्यक्रम में भोजपुरी में संबोधित करते हुए इसे केवल अपनी मां का नहीं अपितु देश की हर मां बहन और बेटी का अपमान बताया। प्रधानमंत्री मोदी का यह भावुक संबोधन सुनकर बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व वहां पर उपस्थित तमाम मातृशक्ति के आंखां में अश्रु आ गए। बिहार में भाजपा व राजग गठबंधन ने इसे लेकर सफलतापूर्वक पूर्ण बंद किया है। राजग गठबंधन की ओर से आयेजित बंद को बिहार में पूर्ण समर्थन मिल रहा है अनेक स्थानों पर महिला कार्यकर्ता ही बंद का आयोजन कर रही हैं।

इतिहास साक्षी है कि जब -जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपशब्द कहे गए हैं या उनका सार्वजनिक अपमान किया गया है तब -तब उन्हें राजनैतिक लाभ हुआ है। मोदी जी जब से प्रधानमंत्री बने हैं तभी से कांग्रेस व विरोधी दलों के नेताओं में उन्हें अपशब्द कहने की होड़ लगी है। आज कांग्रेस का कोई नेता ऐसा नहीं बचा है जिसने उन्हें गाली न दी हो या फिर अपमानित न किया हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मौत का सौदागर से लेकर जहरीला सांप, नीच आदमी, रावण, भस्मासुर और वायरस तक कहा जा चुका है। दिसंबर 2017 में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि, यह बहुत नीच किस्म का आदमी है इसमें कोई सभ्यता नहीं है। कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने मोदी बोटी-बोटी काटने की बात कही थी। बेनी प्रसाद वर्मा ने पागल कुत्ता बताया था। एक समय था जब कांग्रेस नेता शशि थरूर ने प्रधानमंत्री मोदी को गालियां देने की झड़ी लगा दी थी। सोनिया और राहुल सहित कांग्रेस के 12 ऐसे नेता हैं जिन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को जमकर गालियां दी और हर गाली के बाद देश में जहां भी चुनाव हुए वहां का राजनैतिक वातावरण बदल गया। प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध निजी अपमानजनक टिप्पणी कांग्रेस को हमेशा नुकसान पहुंचाती है लेकिन यह बात राहुल गांधी व उनके सलाहकार समझ नहीं पा रहे हैं।

राजनैतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि प्रधानमंत्री मोदी की स्वर्गीय मां के अपमान से अब बिहार की राजनीति पूरी तरह से बदल गई है। प्रधानमंत्री मोदी व एनडीए समर्थक कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व आक्रोष व्याप्त हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी की मां का अपमान एक मुस्लिम नेता ने किया है और राहुल गांधी ने केवल मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में ही वोटर अधिकार यात्रा निकाली है जिसका असर यह होगा कि अब वहां पर मतों का धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण होगा। बिहार की राजनीति में मातृशक्ति निर्णायक मतदाता है और नीतिश कुमार की सरकार में नारी शक्ति के हित में कई कार्य हुए हैं । उस पर मोदी जी की मां के अपमान से अब महिला मतदाताओं का एक बहुत बड़ा वर्ग राजग गठबंधन की ओर झुक जाएगा।

मां के प्रति अपमानजनक शब्द सुनकर प्रधानमंत्री मोदी का भावुक होना स्वाभाविक है। उनकी मां तीन वर्ष पूर्व नश्वर देह त्याग चुकी हैं, वे कभी राजनीति में भी नहीं रहीं ऐसी परिस्थिति में मां का अपमान कोई भी बेटा स्वीकार नहीं करेगा।

ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-
GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

गणेश उत्सव समिति का स्वागत कर हिन्दू मुस्लिम भाई चारे का संदेश दिया

भिलाई। एनकेडी ग्रुप (नबी के दीवाने) की जानिब से दिनांक 06/09/2025 को कैम्प 1 गौसिया मस्जिद रोड पर आजाद मोहल्ला गणेश उत्सव समिति का स्वागत कर हिन्दू मुस्लिम भाई चारे का संदेश दिया गया। जिसमें मुख्य रूप से गौसिया मस्जिद के अध्यक्ष जनाब इरफान खान नायब सदर कैप्टन जमाल सेक्रेटरी नजरुल खान अब्दुल रब सिद्दीकी मुख्तार अंसारी मो, नसीम वा कैम्प 1 मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष जनाब मो, नियाज़ अहमद एनकेडी ग्रुप के लड़के हासिम रजा फारूक अली साबिर अली आकिब अली मो,तालीम महफूज खान अनीस अहमद इरशाद अहमद नौशाद अहमद बाबुल आफ्ताब अंसारी नूरुद्दीन रिज़वान खान सहाबुद्दीन कैसर अंसारी फैज खान इमरान खान शमीम अंसारी नईम अंसारी सरवर अली सैफी अल्ताफ अफ्ताब अहसान इमरान शेख अकबर अली कासिम सफीक अख्तर अली अरमान कुरैशी असरफ अंसारी नसीम मुजफ्फर डॉ अफ्ताब रजा अब्दुल यूसफ़ अंसारी सोहेल अहमद फ़ैज़ सिद्दीकी मल्ला अंसारी अकरम कुरैशी मोजिब सिद्दीकी आदि लोग उपस्थित थे।

संयुक्त कलेक्टरों एवं डिप्टी कलेक्टरों के मध्य कार्यो का विभाजन

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले में पदस्थ संयुक्त कलेक्टरों सिल्ली थामस व हरवंश मिरी और डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा व उत्तम कुमार ध्रुव के मध्य कार्य विभाजन किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार संयुक्त कलेक्टर सिल्ली थामस को अधीक्षक, वित्त स्थापना शाखा, नोडल अधिकारी पेंशन, प्रस्तुतकार शाखा, न्यायालय कलेक्टर, भू-अभिलेख शाखा, डायवर्सन शाखा, नजूल, नजूल जांच, सहायक अधीक्षक राजस्व, राजस्व मोहर्रिर शाखा, राजस्व लेखा शाखा, बाढ़ राहत एवं आपदा प्रबंधन, सूखा राहत शाखा, पर्यावरण अद्योसरंचना मद, लायसेंस शाखा, जिला नाजिर शाखा, सीएसआर मद शाखा, डीएमएफ मद शाखा, जिला कार्यालय परिसर के कार्यालयों, विभिन्न शाखाओं का आकस्मिक निरीक्षण, नोडल अधिकारी, मावन अधिकार आयोग के प्रकरण, नागरिकता प्रमाण पत्र शाखा, नोडल अधिकारी, नशा मुक्ति अभियान, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा समय-समय पर सौंपे गए अन्य कार्य शामिल है। संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी को प्रोटोकाल अधिकारी सौपा गया है।

भिलाई विद्यालय में शिक्षक दिवस: शिक्षकों का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-2 भिलाई में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती शिक्षक दिवस के अवसर पर, पालक-शिक्षक समिति एवं भिलाई विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) मूल्य प्रियदर्शी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती एवं डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ।

छात्राओं तनिष्का, आर्या पांडे, योगिता एवं किरणदीप ने क्रमशः मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, प्राचार्य विजय सिंह पवार एवं पीटीए अध्यक्ष नारायण सिंह राजपूत का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। समारोह का स्वागत उद्बोधन पालक-शिक्षक समिति के अध्यक्ष ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर ने अपने उद्बोद्धन में कहा कि विद्यालय ही वह स्थान है जहाँ से जीवन की गंगा प्रवाहित होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि कार्य ऐसा करना चाहिए, जिसे सदियों तक याद रखा जाए। विशिष्ट अतिथि अमूल्य प्रियदर्शी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी एक क्षेत्र में स्वयं को पारंगत कर उत्कृष्टता प्राप्त करनी चाहिए।

आपको आपका स्किल ही जीवन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेगा। प्राचार्य विजय सिंह पवार ने विद्यालय की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं आगामी योजनाओं पर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर चारों सदनों के छात्र-छात्राओं ने शिक्षक दिवस की थीम पर ग्रीटिंग कार्ड भी प्रदर्शित किए। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला में क्वायर ग्रुप द्वारा सतीष मिश्रा एवं रजनी रजक के मार्गदर्शन में स्वागत गान, गुरु वंदना एवं सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई। नेहा सिंह के निर्देशन में तनिष्का एवं सहयोगी छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुति दी। वंदना सोनवाने के मार्गदर्शन में रूद्र सिंह एवं सहयोगी छात्रों ने क्लासरूम एक दिन पर आधारित नृत्य-नाटिका का प्रदर्शन किया।

छात्रा दिव्या उपाध्याय ने डॉ. राधाकृष्णन के जीवन दर्शन पर भाषण दिया। छात्रा आर्या पांडे ने अंग्रेजी कविता और छात्रा रिया ने हिंदी कविता प्रस्तुत कर गुरुजनों को नमन किया। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित लोकगायिका श्रीमती रजनी रजक ने इस अवसर पर लोकगीत प्रस्तुत किया। समारोह में उपस्थित अतिथियों द्वारा सभी शिक्षकों का श्रीफल एवं उपहार भेंटकर अभिनंदन किया गया। विद्यालय परिवार एवं पालक-शिक्षक समिति की ओर से स्मृति चिह्न भी प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का संचालन वंदना सोनवाने एवं एस.के. खोबरागड़े ने किया व धन्यवाद ज्ञापन सरिता शाक्या ने किया। कार्यक्रम की सफलता में डी.के. साहू, पवन कुमार अग्रवाल, संगीता मिश्रा, परवेज, यास्मीन, अर्पिता, मनीषा, गोवर्धन, राजेश, एम.एम. राव, पद्मावती, विशाखा पांडे सहित समस्त विद्यालय स्टाफ का सहयोग रहा।

खुर्सीपार में बनेगा जिले का सबसे बड़ा सेवा पंडाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बोल बम सेवा समिति व दुर्गोत्सव सेवा समिति के तत्वावधान में इस वर्ष भी जिले का सबसे बड़ा भक्त सेवा पंडाल बनाया जाएगा। शनिवार प्रातः भूमि पूजन का आयोजन विधि-विधानपूर्वक सम्पन्न हुआ। आचार्य पंडित धर्मेंद्र पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पितृपक्ष और पंचक की पूर्व बेला में सुबह 9 बजे भूमि पूजन कराया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं और समिति पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

हर साल की तरह इस बार भी खुर्सीपार सेवा पंडाल भक्ति और सेवा का अद्वितीय संगम बनेगा। प्रदेशभर से पैदल चलकर मां बम्बलेश्वरी के भक्त पैदल माता के दर्शन करने के लिए जाते है। इन भक्तों के लिए यहाँ भोजन, चिकित्सा,

भजन, फल-दूध और विश्राम की संपूर्ण व्यवस्था की जाएगी। आयोजकों का कहना है कि नवरात्रि में माँ दुर्गा की आराधना के साथ सेवा पंडाल का यह आयोजन भक्तों की साधना और तपस्या को पूर्ण करता है। सेवा ही सच्ची भक्ति है की परंपरा को निभाते हुए यहाँ हजारों श्रद्धालुओं को निःशुल्क सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। पंडाल में माँ बमलेश्वरी की स्तुति और दुर्गा सप्तशती के पाठ के साथ अखंड भजन-कीर्तन की गूंज सुनाई देगी। श्रद्धालु जहाँ शारीरिक थकान मिटाएँगे, वहीं आत्मिक ऊर्जा भी प्राप्त करेंगे।

समिति का संकल्प

बोल बम सेवा समिति के संस्थापक श्रीमान दया सिंह ने कहा कि सेवा ही हमारा धर्म है। हर साल की तरह इस साल भी भव्य सेवा पंडाल बनाया जाएगा। जिसका आज भूमिपूजन किया गया । माता की आरती करके पंडाल निर्माण की शुरूआत की गई। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान प्रमुख रूप से राकेश प्रसाद, प्रमोद सिंह, प्रशांत, विजेंद्र मिश्रा, के पुष्पा राव, महिला विंग बबली, सुभद्रा देवी, मनोज पांडेय, गिरी लाल शर्मा, सुनिल अग्रवाल, राजकुमार साहू, प्रमोद नेताम, विनय मानिकपुरी, भोला साव, प्रदीप पांडेय,रमेश साहू, अजीत यादव, जमील मास्टर, सीनू राव, कष्णा बरोड़ा अन्य भक्तगण उपस्थित रहे।

अपर कलेक्टरों के मध्य कार्यो का विभाजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिले में पदस्थ अपर कलेक्टरों अभिषेक अग्रवाल, योगिता देवांगन एवं वीरेन्द्र सिंग के मध्य कार्य विभाजन किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार अपर कलेक्टर अभिषेक अग्रवाल को अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जिला दुर्ग के न्यायालयीन कार्य, रोस्टर के अनुसार तहसील, अनुविभाग कार्यालय, उप पंजीयक कार्यालय, जनपद कार्यालय का निरीक्षण। समयावधि में पेश शस्त्र लाईसेंसों का नवीनीकरण, शस्त्र अनुज्ञप्ति स्वीकृति एवं नवीनीकरण आदेश के पश्चात लायसेंस बुक तथा लायसेंस पंजी के प्रविष्टियों पर हस्ताक्षर एवं सत्यापन। अस्थायी फटाका लाईसेंसों का नवीनीकरण, नोडल अधिकारी जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, नोडल अधिकारी धान उपार्जन, धान संग्रहण, नोडल अधिकारी कस्टम मिलिंग, नोडल अधिकारी एग्रीस्ट्रेक परियोजना, नोडल अधिकारी डिजिटल कॉप सर्वे, नोडल अधिकारी वेटलैंड सर्वे, नोडल अधिकारी वन भूमि सत्यापन, नोडल अधिकारी पी.डी.एस, पासपोर्ट शाखा, कलेक्टर महोदय द्वारा समय-समय पर सौंपे गये अन्य कार्य शामिल है।

अपर कलेक्टर अभिषेक अग्रवाल के माध्यम से विभिन्न शाखाओं की नस्तियां कलेक्टर को प्रस्तुत की जाएगी, जिनमें सहायक अधीक्षक,नोडल अधिकारी व्यापम एंव परीक्षा प्रभारी, परीक्षा शाखा शामिल है।

भिलाई का गौरव- भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बने हर्ष गोहिया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई के होनहार युवा लेफ्टिनेंट हर्ष गोहिया का भारतीय सेना में कमीशन होना न केवल उनके परिवार के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि पूरे भिलाई नगर और सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र बिरादरी के लिए प्रेरणादायी उपलब्धि है। यह ष्माटी के लालष् की कहानी है, जो दृढ़ संकल्प, अनुशासन और देशभक्ति की उन मूल्यों को जीवंत करती है, जिन पर भारतीय सशस्त्र सेनाओं की पहचान टिकी है।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा आयोजित कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज (सीडीएस) 2 परीक्षा 2023 में सफलता पाकर हर्ष ने ऑल इंडिया रैंक (आईआर) 187 हासिल की। इसी उपलब्धि के आधार पर उन्हें चेन्नई स्थित

ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) में प्रवेश मिला, जहां उन्होंने कठोर प्रशिक्षण प्राप्त किया। 6 सितंबर 2025 को वे औपचारिक रूप से भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन हुए। यह गौरवशाली क्षण दूरदर्शन (डीडी नैशनल) पर सीधा प्रसारित हुआ, जिसे पूरे देश ने गर्व के साथ देखा।

हर्ष गोहिया की यह उपलब्धि भिलाई इस्पात संयंत्र की परंपरा और संस्कारों से भी गहराई से जुड़ी है। उनके पिता बीएसपी के पी एंड बीएस विभाग के कर्मचारी श्री. सत्य कुमार गोहिया, माता गृहिणी श्रीमती. मिथिलेश गोहिया, तथा बहन एचपी में कार्यरत सॉफ्टवेयर इंजीनियर दीक्षा गोहिया उनके संबल रहे हैं। हर्ष की शैक्षिक जड़ें भिलाई इस्पात संयंत्र के शैक्षणिक संस्थानोंकृबीएसपी स्कूल, सेक्टर-2 और बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल-10 से जुड़ी रही हैं, जिन्होंने उनके अनुशासन और प्रतिबद्धता की नींव रखी।

अपने शब्दों में हर्ष ने परिवार, मार्गदर्शकों, शुभचिंतकों और भिलाई इस्पात संयंत्र के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त की और कहा कि उनका भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन होना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि साहस, अनुशासन और सेवा परमो धर्म के संकल्प का प्रतीक है। भिलाई और सेल-बीएसपी के लिए यह सफलता औद्योगिक नगरी के उस विकासोन्मुख वातावरण का परिचायक है जो राष्ट्रीय सेवा और उत्कृष्टता की भावना को संवारता है।

समग्र बीएसपी बिरादरी ने लेफ्टिनेंट हर्ष गोहिया को उनकी उपलब्धि पर हार्दिक बधाई और राष्ट्र-सेवा में उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ प्रेषित की है। हर्ष की यह यात्रा भिलाई के उन असंख्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी, जो भारतीय सेना की वर्दी पहनने और मातृभूमि की सेवा करने का सपना देखते हैं।

बीएसपी के आरईडी विभाग में कर्म शिरोमणि पुरस्कार समारोह सम्पन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के आर.ई.डी. विभाग में 05 सितम्बर 2025 को कर्म शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (आर.ई.डी) प्रोसेनजीत दास रहे।

प्रोसेनजीत दास ने कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि यह पुरस्कार केवल उत्कृष्ट कार्य के लिए ही नहीं बल्कि सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए भी प्रदान किया जाता है। मुख्य महाप्रबंधक श्री दास ने विजेताओं एवं उनके परिजनों को शुभकामनाएँ देते हुए

आशा व्यक्त की कि वे भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करते रहेंगे तथा सुरक्षा को अपनी आदत में शामिल करेंगे और ठेका श्रमिकों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखेंगे। इस अवसर पर डोल कुमार चैहान, टेक सिंह एवं संतोष कुमार पाल को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए तथा उन्हें उनके जीवनसाथियों हेतु भी प्रोत्साहन स्वरूप प्रशंसा पत्र भेंट किया गया।

समारोह में महाप्रबंधक आर. गोपाल कृष्णन, उप महाप्रबंधक इन्द्रदीप चटर्जी, सहायक महाप्रबंधक अमित राय, अनिल पाढ़ी, मालिनी परगनिया, मोहम्मद शाबिर, प्रबंधक पुष्पेन्द्र सिंह एवं उप प्रबंधक सौरभ यादव उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विजेताओं की कार्यशैली एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी और भविष्य में और भी उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन उप प्रबंधक (मानव संसाधन) सुश्री शालिनी चैरसिया एवं ऑफिस एसोसिएट हर्षिता नाग ने किया।

दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण हेतु शिविर संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के लौह अयस्क खदान समूह दल्लीराजहरा द्वारा, भारत कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) जबलपुर के सहयोग से ग्राम पंचायत खड़गांव (विकासखण्ड मानपुर, जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चैकी) में दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों हेतु बीएसपी-सीएसआर के सहायक उपकरण वितरण योजना के अंतर्गत 03 एवं 04 सितम्बर 2025 को दो दिवसीय चयन शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन का भी सहयोग रहा।

शिविर के दूसरे दिन 04 सितम्बर को 247 लाभार्थियों ने पंजीयन कराया, जिसमें 04 मानपुर, 93 मोहला तथा 150 अंबागढ़ चैकी के हितग्राही सम्मिलित थे। इसी प्रकार इस दो दिवसीय शिविर में कुल 444 पंजीकृत दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों की चिकित्सीय जाँच एवं मूल्यांकन कर लाभार्थियों को निःशुल्क सहायक उपकरण प्रदान किए जाने हेतु चयनित किया गया।

शिविर का उद्घाटन 03 सितम्बर को राज्य शासन, पंचायती राज, एवं भिलाई इस्पात संयंत्र के लौह अयस्क खदान समूह दल्लीराजहरा, व निगमित सामाजिक उत्तर दायित्व के वरिष्ठ अधिकारीयों के उपस्थिति में हुआ था। शिविर में चयनित दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को भविष्य में निःशुल्क सहायक उपकरण जैसे ट्राइसाइकिल, ट्राइपॉड, टेट्रापॉड, सर्वाइकल कॉलर एवं नी-ब्रेस आदि वितरित किए जाएंगे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

महापौर और आयुक्त ने महादेव घाट पर गणेश प्रतिमा विसर्जन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप ने वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अशोक पाण्डेय, नगर निगम अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल एवं अन्य सम्बंधित निगम अधिकारियों की उपस्थिति में अनंत चतुर्दशी को सुबह 6 बजे से 12 सितम्बर को सुबह 6 बजे तक 8-8 घण्टे की तीन पालियों में 24 घण्टे की गयी प्रशासनिक व्यवस्था की तैयारियों का महादेवघाट खारून नदी के समीप विसर्जन कुण्ड में पहुंचकर प्रत्यक्ष निरीक्षण किया।

महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि श्रीगणेश की सभी मूर्तियों का विसर्जन पूरे सम्मान के साथ किया जाना सुनिश्चित किया जाये। महापौर मीनल चौबे और आयुक्त विश्वदीप ने गौतखोरों, नावों, क्रेनों की व्यवस्था, संस्कृत कॉलेज के सहयोग से 10 पंडितों की श्रद्धालुओं हेतु व्यवस्था,मंच, बेरीकेट, स्वास्थ्य शिविर, लाईट, सफाई, पेयजल सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारियों की जानकारी ली और इस सम्बंध में आवश्यक निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए।

लेखा प्रशिक्षण के लिए आवेदन 30 सितंबर तक आमंत्रित

रायपुर। संचालनालय कोष, लेखा एवं पेंशन के आदेशानुसार शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला रायपुर में सत्र नवंबर 2025 से फरवरी 2026 के लिए 1 सितंबर 2025 से 30 सितंबर 2025 की अवधि में आवेदन पत्र स्वीकार किये जायेंगे। इस तिथि के पूर्व एवं पश्चात प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार नही किया जाएगा।

प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला से मिली जानकारी के अनुसार लेखा प्रशिक्षण सत्र नवंबर 2025 से फरवरी 2026 के लिए 3 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर चुके लिपिक वर्गीय कर्मचारी अपने कार्यालय प्रमुख के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र भेज सकते है। यह आवेदन शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला, नगर घड़ी चौक रायपुर को 30 सितंबर 2025 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त हो जाना चाहिए।

लिपिक वर्गीय कर्मचारी से आशय ऐसे कर्मचारी से है जिनकी पदस्थापना लिपिकीय संवर्ग के पद पर हुई है न कि किसी तकनीकी संवर्गीय पद पर । मानक आवेदन पत्र पर ही आवेदन स्वीकार किये जायेंगें। आवेदन जिस सत्र के प्रशिक्षण हेतु किया गया है, उस सत्र के लिये ही मान्य होगा। पूर्व प्रचलित आवदेन पत्र स्वीकार नही किये जायेगें। आवेदन पत्र के साथ अन्य आवश्यक सुसंगत दस्तावेज संलग्न होना चाहिए। आवेदन का निर्धारित प्रारूप एवं अन्य जानकारी प्राचार्य शासकीय लेखा प्रशिक्षण शाला रायपुर, से प्राप्त किए जा सकते है। आवेदन पत्र का प्रारूप एवं निर्देश संभाग के समस्त जिला कोषालायों के सूचना पटल पर अवलोकन किये जा सकते हैं।

महापौर ने शिक्षक दिवस पर स्कूलों के 63 शिक्षकों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम के शिक्षा, खेलकूद और युवा कल्याण विभाग द्वारा रायपुर नगर निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर स्थित निगम सामान्य सभा सभागार में शिक्षक दिवस पर महापौर मीनल चौबे ने सभापति सूर्यकान्त राठौड़, शिक्षा, खेलकूद और युवा कल्याण विभाग के अध्यक्ष नंदकिशोर साहू, एमआईसी सदस्य महेन्द्र खोडियार, अवतार भारती बागल, दीपक जायसवाल, अमर गिदवानी, खेम कुमार सेन, डॉ. अनामिका सिंह,जोन 4 जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा,जोन 6 जोन अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, पार्षद रोनिता प्रकाश जगत, अजय साहू, देवदत्त द्विवेदी, आनंद अग्रवाल, कैलाश बेहरा, प्रमोद साहू, मोहन साहू, डॉक्टर मनमोहन मनहरे, जनप्रतिनिधि पार्षद प्रतिनिधिगण, नगर निगम अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय, प्रभारी अपर आयुक्त कृष्णा खटिक, उपायुक्त जसदेव सिंह बाबरा, कार्यपालन अभियंता गजाराम कँवर, नगर निगम स्कूल शिक्षक संघ के अध्यक्ष मृत्युंजय शुक्ला सहित मंच पर रायपुर निगम की स्कूलों के 63 शिक्षक- शिक्षिकाओं का श्रीफल, शाल, प्रमाणपत्र, स्मृतिचिन्ह प्रदत्त कर नगर निगम रायपुर की ओर से उनका अभिनन्दन किया।

महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, शिक्षा, खेलकूद और युवा कल्याण विभाग अध्यक्ष नंदकिशोर साहू ने एमआईसी सदस्यों, पार्षदों सहित विद्या की प्रतीक देवी माता सरस्वती और भारत गणराज्य के द्वितीय राष्ट्रपति भारत रत्न महान शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर शिक्षक दिवस सम्मान कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर सरस्वती वन्दना और गुरू वन्दना की गयी। महापौर मीनल चौबे ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस पर बधाई दी ।मीनल चौबे ने कहा कि वे अपने जीवन में आज जो कुछ हैं, वह उनके पूज्य गुरुओं के मार्गदर्शन रूपी आशीर्वाद का सफल है। गुरुओं के शुभाशीष और जनता जनार्दन के आशीर्वाद से वे नगर निगम रायपुर में चार बार निर्वाचित हो चुकी हैं। महापौर ने कहा कि रायपुर नगर निगम के शिक्षक-शिक्षिकाओं की समस्याओं को दूर करने कार्य किया जायेगा। सभी शिक्षक और शिक्षिकाएं मन लगाकर बच्चों को पढ़ाएं। शिक्षकों से हर किसी को जीवन में अच्छी सीख मिलती है, जो उसके जीवन भर काम आती है। महापौर ने नगर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों को अच्छे आयोजन की व्यवस्था करने पर सराहा और धन्यवाद दिया।

सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को बधाई दी और कहा कि नगर निगम स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाओं को उनकी सेवानिवृत्ति के दिन उनके सभी स्वत्वों का भुगतान करने की व्यवस्था की जाना चाहिए। शिक्षकों को जनगणना, मतदाता सूची और अन्य गैर शैक्षकीय कार्यों से मुक्त रखा जाना चाहिए, ताकि वे अपना कार्य करके और अधिक सकारात्मक परिणाम दे सकें।

शिक्षा, खेलकूद, युवा कल्याण विभाग अध्यक्ष नंदकिशोर साहू ने शिक्षक दिवस की बधाई दी और कहा कि शिक्षक दिवस गुरुजनों के प्रति सम्मान और आदर व्यक्त करने का अवसर होता है। यह आदर्श शिक्षक भारत रत्न भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयन्ती का अवसर होता है। नगर निगम शिक्षा, खेलकूद, युवा कल्याण विभाग के यह आयोजन नगर निगम स्कूलों के शिक्षकों के अभिनन्दन के लिए शिक्षक दिवस पर रखा है। संचालन नगर निगम स्कूल शिक्षक संघ के अध्यक्ष मृत्युंजय शुक्ला ने और आभार प्रदर्शन अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय ने किया।

पुरंदर मिश्रा ने विधायक निधि से क्षेत्र के वार्डों में विकास के लिए 10-10 लाख देने की घोषणा

आक्सीजोन गार्डन के खराब उपकरणों को शीघ्र बदलवाने सहित अन्य आवश्यक निर्देश दिए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा नगर निगम रायपुर के मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन पहुंचे। नगर निगम मुख्यालय पहुंचने पर चतुर्थ तल स्थित निगम सामान्य सभा सभागार में महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड, आयुक्त विश्वदीप ने उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा का स्वागत किया गया।

उत्तर विधायक ने नगर निगम जोन 2,3,4 के उत्तर विधानसभा क्षेत्र के वार्डो के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा जोन कमिश्नरों से जानकारी प्राप्त कर की एवं विकास कार्यों को गतिमान करने आवश्यक निर्देश अधिकारियों को दिये। पार्षदो से उत्तर विधायक ने सुझाव लिए एवं वार्डो की मूलभूत समस्याओ की जानकारी प्राप्त की। उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने रायपुर उत्तर विधायक निधि मद से रायपुर उत्तर विधानसभा के नगर निगम रायपुर के वार्डों में विकास कार्य करवाने 10-10 लाख रुपए का स्वेच्छानुदान देने की मंच से घोषणा की। विधायक ने जोन 4 अंतर्गत आक्सीजोन गार्डन में बच्चो एवं नागरिकों के लिए मनोरंजन हेतु लगे उपकरणो के खराब होने पर उन्हे शीघ्र बदलवाने की आवश्यक कार्यवाही तत्परता से करने के निर्देश जोन कमिश्नर को दिये। उत्तर विधायक ने सफाई, पेयजल, जलभराव की समस्या की जानकारी ली एवं विधायक निधि, अधोसंरचना मद, शासन निधि, सामान्य निधि के विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली एवं सभी विकास कार्यों को जनहित की दृष्टि से समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिये।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि जब से नगर निगम में वे महापौर बनी है तब से वे उनके पास आने वाले जनप्रतिनिधि वार्ड पार्षदों की समस्याओं को प्राथमिकता से लेकर त्वरित निदान करवाने हर संभव प्रयास कर रही है। महापौर ने विधायक निधि से 10-10 लाख रुपए की विकास कार्य के लिए रायपुर उत्तर विधानसभा के वार्डों के लिए घोषणा किये जाने पर नगर निगम रायपुर की ओर से मंच पर रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा को हार्दिक धन्यवाद दिया। महापौर ने अधिकारियों को पेयजल समस्या के त्वरित निदान हेतु आवश्यक तकनीकी समाधान करवाने के निर्देश दिये। महापौर ने सफाई व्यवस्था चुस्त दुरूस्त बनाने उपलब्ध संसाधनों एवं सफाई कामगारों से स्वच्छ शहर बनाने निरंतर मॉनिटरिंग कर कार्य किये जाने कहा। महापौर ने पार्षदों की समस्याओं को गंभीरता से सुना एवं आश्वस्त किया कि वे प्राथमिकता से वार्ड पार्षदो की वार्डो में जनसमस्याओं का नगर निगम के माध्यम से त्वरित समाधान करने हर संभव उपाय जनहित में सुनिश्चित करेंगी। सभापति सूर्यकांत राठौड ने दीपावली पर्व के पूर्व शहर की सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था सुधार कर चुस्त-दुरूस्त बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। उन्होने कहा अधिकारी हर संभव प्रयास कर रहे है कि समस्याओं का समाधान वार्डो में तत्परता से हो। उन्होने कहा कि वार्ड एक्शन प्लान और सिटी डेव्हलपमेंट प्लान शासन को भेजने के बाद शीघ्र ही शासन से स्वीकृति मिलने पर रायपुर शहर का सभी 70 वार्डों में दलगत राजनीति की भावना से ऊपर उठकर समान रूप से शासन की मंशा अनुसार विकास होते दिखेगा।

आयुक्त विश्वदीप ने कहा कि वे महापौर के साथ वार्डो का निरीक्षण करने के दौरान उनकी जानकारी में आयी वार्डो की जनसमस्याओं का तात्कालीक समाधान करने आवश्यक कार्यवाही एवं हर संभव उपाय नगर निगम रायपुर के स्तर पर कर रहे है। रायपुर उत्तर विधानसभा के वार्डो में रायपुर उत्तर विधायक के निर्देश पर वार्डो में जनसमस्याओं के हर संभव त्वरित निदान हेतु आवश्यक कार्यवाही नगर निगम द्वारा शीघ्र की जायेगी। पार्षदों की समस्याओं के समाधान हेतु कार्यवाही को प्राथमिकता दी जायेगी।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा द्वारा उत्तर विधानसभा के नगर निगम रायपुर के वार्डों के कार्यों एवं समस्याओ की जानकारी लेकर की गई समीक्षा बैठक के दौरान निगम सामान्य सभा सभागार में एमआईसी सदस्य श्रीमती संजना संतोष हियाल, महेन्द्र खोडियार, अवतार भारती बागल, संतोष सीमा साहू जोन 3 अध्यक्ष श्रीमती साधना प्रमोद साहू, पार्षद श्रीमती पुष्पा रोहित साहू, श्रीमती कृतिका जैन, कैलाश बेहरा, आकाश तिवारी, शेख मुशीर, प्रदीप वर्मा जनप्रतिनिधि गण, वार्ड पार्षद प्रतिनिधिगण, अपर आयुक्त यूएस अग्रवाल, विनोद पाण्डेय, श्रीमती कृष्णा खटीक, मुख्य अभियंता यूके घलेन्द्र, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, संजय बागडे, उपायुक्तगण, जोन 2 जोन कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे, जोन 3 जोन कमिश्नर रमेश जायसवाल, जोन 4 जोन कमिश्नर अरूण ध्रुव, कार्यपालन अभियंतागण, नगर निवेशक सहित संबंधित नगर निगम अधिकारीगण उपस्थित थे।

पीएम आवास हितग्राही अनुज्ञा वितरण कार्यक्रम में सांसद सहित जनप्रतिनिधि हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के चांगोरभाठा इलाके में शुक्रवार देर शाम प्रधानमंत्री आवास हितग्राही अनुज्ञा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में हितग्राही मौजूद रहे और उन्हें योजनांतर्गत आवास स्वीकृति पत्र सौंपे गए। कार्यक्रम में रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, दक्षिण विधानसभा विधायक सुनील सोनी, नगर निगम महापौर मीनल चौबे, और निगम सभापति सूर्यकान्त राठौर विशेष रूप से उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को अनुज्ञा पत्र प्रदान किए और केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम के तहत चांगोरभाठा क्षेत्र के लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों का अधिकार पत्र दिया गया। जनप्रतिनिधियों ने इसे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बड़ी राहत बताया और कहा कि अब हर व्यक्ति का पक्का घर होने का सपना साकार होगा। सांसद और विधायक ने रखे विचार सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक आवास की सुविधा पहुंचाना है। वहीं विधायक सुनील सोनी ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार की साझेदारी से शहर में विकास कार्य लगातार गति पकड़ रहे हैं।

महापौर और सभापति की मौजूदगी नगर निगम महापौर मीनल चौबे ने अपने संबोधन में कहा कि रायपुर नगर निगम लगातार लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रयासरत है। वहीं सभापति सूर्यकान्त राठौर ने कहा कि पारदर्शी व्यवस्था के तहत पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है।

शिक्षक दिवस पर दिव्यांग स्कूल में 13 शिक्षकों का किया गया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अर्पण कल्याण समिति द्वार सेक्टर, बजाज कॉलोनी न्यू राजेन्द्र नगर में संचालित अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस पर शिक्षाक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के मूक बधिर छात्र-छात्राओं ने शिक्षकों को तिलक लगाकर उनकी पूजा की। समारोह के मुख्य अतिथि एएसए ग्रुप के चेयरमेन और समाजसेवी सत्यनारायण अग्रवाल थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सीनियर सिटीजन फोरम के ध्रुबाचरण अग्रवाल तथा इनरव्हील क्लब रायपुर की अध्यक्ष श्रीमती सुनिता अग्रवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज सेवी सौरभ मिश्रा ने की। इस अवसर पर अतिथियों ने शिक्षक-शिक्षिकाओं का शाल, श्रीफल व स्मृति मिन्ह प्रदान कर सम्मान किया। समारोह को सम्बोधित करते हुये सत्यनारायण अग्रवाल ने कहा कि मूक बधिर बच्चों की सेवा ही प्रभु की सच्ची सेवा है। अर्पण कल्याण समिति इसके लिये बधाई के पात्र है। इन बच्चों के बीच आने से मानसिक शांति मिलती है।

श्री अग्रवाल ने इस अवसर पर स्कूल के पांच बच्चों को गोद लेने की घोषणा की। ध्रुबाचरण अग्रवाल ने कहा कि ये बच्चे भले की सुन बोल नहीं सकते किन्तु भगवान ने इन्हें तेज बुद्धि का बरदान दिया है। ये बच्चे आने वाले दिनों में देश का नाम रोशन करेंगे। सौरभ मिश्रा ने भी 2 बच्चों को गोद लेने की घोषणा की। पूर्व महापौर व सभापति प्रमोद दुबे ने दिव्यांग स्कूल की शिक्षकों का सम्मान करना ही असली गुरु सेवा है।स्कूल प्रबंधन ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। समारोह में सर्व प्रथम पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष प्रकाश शर्मा, उपाध्यक्ष धनजय त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष विरेन्द्र शर्मा, मृत्युन्जय शुक्ला आदि उपस्थित थे। अभार प्रदर्शन प्राचार्य कमलेश शुक्ला तथा संचालन समन्वयक सीमा छाबड़ा ने किया। अर्पण कल्याण समिति ने कमालेश कुमार शुक्ला, अमन चौबे, मोनिका साहू, गरिमा हरीहारनो, करिश्मा शांगोड़े, पूजा लाखे, शीला पिल्ले, प्रतिष्ठा शुक्ला, कामिनी खरे. रूमा राय श्रीमती पूनम ठाकुर, श्रीगती तामेश्वरी साहू तथा राकेश ठाकुर सहित राजधानी के विभिन्न दिव्यांग स्कूलों के शिक्षक-शिक्षिकाओं का सम्मान किया।

मंदिर निर्माण का हुआ भव्य शिलान्यास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टैगोर नगर में पार्श्वनाथ भगवान के भव्य मंदिर निर्माण के लिए 5 सितंबर को शिलान्यास हुआ। प्रवचन के पश्चात पटवा भवन से टैगोर नगर शिलान्यास स्थल सी -79 महेंद्र कुमार गादिया के निवास तक शिला को मस्तक पर रखकर वरघोड़ा उपाध्याय द्वय आध्यात्म योगी महेंद्र सागरजी महाराज साहब, युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज साहब एवं साध्वी भगवंत हंसकीर्ति श्रीजी म.सा. की पावन निश्रा में निकाला गया। शिलान्यास महोत्सव में भैरव कॉलोनी से प्रियदर्शी विजयजी महाराज साहब भी शामिल हुए।

अलौकिक पार्श्व पद्मावती ट्रस्ट के धीरज कोचर ने बताया कि शिलान्यास विधि के पूर्व स्नात्र पूजन सुबह 8 बजे व पाटला पूजन सुबह 9 बजे हुआ। गुरु भगवंतों की पावन निश्रा में वरघोड़ा पहुंचने के पश्चात शिलान्यास की विधि प्रारंभ हुई। शिला पूजा का बड़ा महत्व है। उपस्थित सभी परिवारों ने मिलकर इस विधि का धर्मलाभ लिया। रायपुर में पहली बार घर में मंदिर का भव्य निर्माण कराया जा रहा है। गादिया परिवार ने अपने घर की जगह भव्य मंदिर निर्माण के लिए दी है। मंदिर का संचालन अलौकिक पार्श्व पद्मावती ट्रस्ट के द्वारा किया जाएगा।

व्यक्ति मन को अनुशासित रखता है और हमेशा विपरीत परिस्थितियों के लिए तैयार रहें : मनीष

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जीवन में अभाव के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। उपलब्धि के लिए आपका मन हमेशा तैयार रहता है। असफलता, अपमान, असाता के लिए भी तैयार रहना होगा। हमेशा विपरीत परिस्थितियों के लिए तैयार रहें। विपरीत परिस्थितियों में घबराएं नहीं, मन को कमजोर न होने दें। समझदार व्यक्ति मन को अनुशासित रखता है। ये सीख टैगोर नगर पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में शुक्रवार को परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने दी।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जब भी हम प्रयत्न करते हैं तो हमारा मन हमेशा उपलब्धि चाहता है। कई बार उपलब्धि भी होती है और कई बार अभाव का सामना भी होता है। जैसा हमारा मन चाहता है, हमेशा वैसा नहीं मिलता। अभाव का सामना होने से मन दुखी होता है। हम हमेशा सफलता चाहते हैं। असफलता की चाहत नहीं होती। पुण्य का उदय कम होता है तो असफलता मिलती है। ऐसे में केवल दुखी होते हैं , संताप व विलाप करते हैं। इस दौरान मन को शांत रखना है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि समझदार व्यक्ति उपलब्धियों पर इतराता नहीं है। उपलब्धियों पर अपना अधिकार नहीं है। एक अवसर मानता है। विपरीत परिस्थितियों के लिए तैयारी उतनी ही आवश्यक है, जितनी सफलता के लिए तैयारी होती है। हम सभी इसके लिए तैयार नहीं रहते। हमेशा व्यक्ति उपलब्धि पर भरमाता है, अभाव को नहीं देखता। यह हमारी कमजोरी है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जीवन में जितना लाभ होता है, उतना लोग बढ़ता जाता है। तृष्णा मृग जल के समान है। जैसे हिरण अपनी प्यास बुझाने मृग मरीचिका में भटकता रहता है। वैसी हमारी आत्मा भी इच्छा पूर्ति नहीं होती तो भटकती रहती है। इच्छाएं कभी तृप्त नहीं हो सकती। आकाश के जैसे असीम है। शांत होकर आने वाली समस्याओं का समाधान करते रहें। मन में अशांति का कारण हमारी तृष्णा व हमारा मोह है। तृष्णा और मोह को कम करने से मन शांत होगा। शांति व समता से अपना रास्ता निकालने का प्रयास करना है।

साड़ी में दिखीं बेहद लाजवाब, अंजना सिंह का 'जुत्ती मेरी' गाने पर शानदार डांस

'लव और राजनीति', 'ट्रक ड्राइवर', 'दबंग आशिक', और 'लावारिस' जैसी सुपरहिट फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी दिखा चुकीं अभिनेत्री अंजना सिंह ने ट्रेंड को फॉलो करते हुए शनिवार को सोशल मीडिया पर एक नया वीडियो पोस्ट किया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह शानदार एक्सप्रेशन के साथ 'जुत्ती मेरी' गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं।

वीडियो में अंजना ने पारंपरिक साड़ी पहनी है, जिसमें वह बेहद आकर्षक लग रही हैं। मांग में सिंदूर और माथे पर बिंदी उनके लुक को और भी निखार रही है। खास बात यह है कि उन्होंने अपने बालों को ट्रिम कर खुला रखा है, जो उनके चेहरे की खूबसूरती को और बढ़ा रहा है। उनके डांस मूव्स और चेहरे के हाव-भाव एकदम रियल हैं। वीडियो में अंजना का आत्मविश्वास और उनकी अदाएं हर किसी को पसंद आ रही हैं।

अंजना ने वीडियो के कैप्शन में सिर्फ जुत्ती मेरी लिखा, जो उनके इस अंदाज को और भी खास बनाता है। फैंस ने कमेंट्स में उनकी खूबसूरती और डांस की जमकर तारीफ की है। एक यूजर ने लिखा, अंजना जी, आपका ये अंदाज दिल छू गया! वहीं, दूसरे ने कहा, साड़ी में आपका लुक और डांस दोनों कमाल का हैं। इस गाने को नेहा भसीन ने गाया है और संगीत समीर उद्दीन ने दिया है। गाना कई म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। पूरा गाना जियो सावन, स्पॉटिफाई, एप्पल म्यूजिक, और अमेजन म्यूजिक पर भी उपलब्ध है।

अंजना के प्रोजेक्ट पर नजर डालें तो वह कई भोजपुरी फिल्मों और टेलीविजन धारावाहिकों में काम कर चुकी हैं। उन्होंने साल 2012 में 'एक और फौलाद से' अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह कई 'लव और राजनीति', 'ट्रक ड्राइवर', 'दबंग आशिक', और 'लावारिस' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। अभिनेत्री ने पवन सिंह, दिनेश लाल यादव, और रवि किशन जैसे बड़े सितारों के साथ भी काम किया है।

मीरा ने बताया कि 21 साल की उम्र में शाहिद से की शादी

मीरा राजपूत और शाहिद कपूर इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा जोड़ों में से एक हैं। अपनी शादी के समय, दो बच्चों की माँ मीरा राजपूत सिर्फ 21 साल की थीं और उन्हें अपने दोस्तों के साथ तालमेल बिठाने में काफी मुश्किल होती थी और शादी के शुरुआती सालों में वे खुद को अलग-थलग महसूस करती थीं। इस बिजनेसवुमन ने साक्षी शिवदासानी और नैना भान के साथ उनके पॉडकास्ट पर बातचीत की, जहाँ उन्होंने जिंदगी के अलग-अलग दौरों, काम को संभालने और दोस्तों से दूर रहने के बारे में बताया।

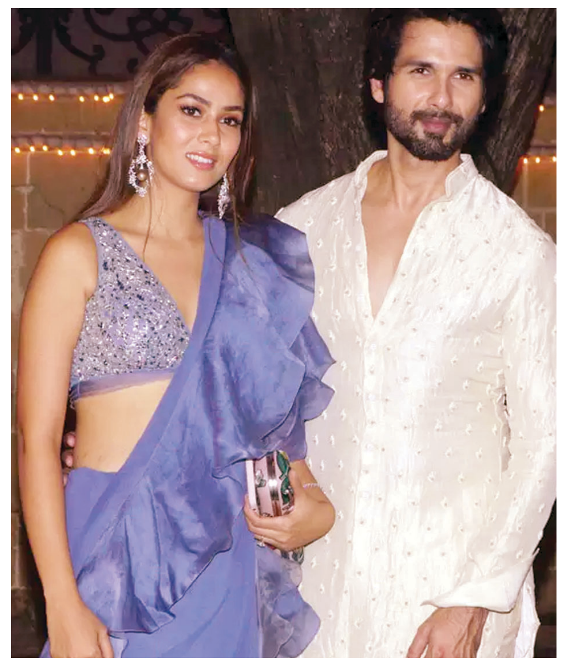

Akind की सह-संस्थापक ने अपने दोस्तों को अलग-अलग करियर पथ अपनाते देखकर मिले अकेलेपन के एहसास के बारे में भी बताया। शादी के शुरुआती सालों में अकेलापन महसूस करने पर मीरा राजपूत कंटेंट क्रिएटर्स के साथ एक इंटरव्यू में, मीरा राजपूत ने खुलासा किया, मुझे लगता है कि हम (मीरा और उनके दोस्त) अलग-अलग रहे हैं। मैं यह स्वीकार करना चाहूँगी कि यह काफी अलग-थलग करने वाला था क्योंकि उस समय हम जिंदगी के अलग-अलग दौर से गुजर रहे थे। जिंदगी के अलग-अलग दौर में आप अपने दोस्तों को देखते हैं। काश मैं भी वही कर पाती जो मीरा कर रही हैं।

उन्होंने आगे कहा, काफी समय तक मैं यही सोचती रही, 'ओह, मेरी दोस्त अपनी मास्टर्स की पढ़ाई के लिए गई है, या वे कहीं घूमने गए हैं, या मानो कोई गैप ईयर है। ज़िंदगी बहुत अच्छी है। आप शहर बदलते हैं, आपका एक प्यारा परिवार होता है, बच्चे होते हैं, ये सब।' राजपूत ने आगे याद किया कि शादी के बाद, वह अपनी सहेलियों से पहले जितनी बात नहीं करती थीं। वे कहते थे, 'क्या हुआ? सिर्फ इसलिए कि तुम चली गई हो और शादी कर ली है, इसका मतलब यह नहीं कि तुम हमें भूल जाओ।' मैं कहती थी, 'दोस्तों, सच में, मैं व्यस्त हूँ और उलझी हुई हूँ वगैरह।' मुझे नहीं लगता कि उस समय उन्हें यह बात समझ आई होगी, लेकिन खुशकिस्मती से, दोस्ती कायम रही। अब उन्हें भी यह बात समझ आती है क्योंकि वे भी उसी दौर से गुजर रहे हैं।

मीरा ने 2015 में शाहिद कपूर से शादी की और एक साल बाद, उनकी पहली बेटी मीशा का जन्म हुआ। कुछ साल बाद राजपूत ने अपने दूसरे बच्चे को जन्म दिया। सालों तक अपनी निजी जिंदगी पर ध्यान केंद्रित करने के बाद, मीरा राजपूत ने अपना ध्यान करियर बनाने पर केंद्रित कर लिया है। उन्होंने अपना स्किनकेयर ब्रांड, अकाइंड, लॉन्च किया है, जिसकी स्थापना उन्होंने रिलायंस की टीरा ब्यूटी के साथ मिलकर की है।

अनन्या पांडे की 'कॉल मी बे' को एक साल पूरा, सीजन 2 का ऐलान

अभिनेत्री अनन्या पांडे की पहली वेब सीरीज 'कॉल मी बे' को रिलीज हुए पूरे एक साल हो गए हैं। इस मौके पर अनन्या ने सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों का आभार जताया। अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म के सीन की तस्वीर पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'कॉल मी बे' को एक साल पूरा हो गया है और मैं आप सबकी बहुत आभारी हूं कि हमें आज भी इतना प्यार मिल रहा है। लोग अब भी मुझसे पूछते हैं कि सीजन-2 कब आ रहा है, और वह बहुत जल्दी आने वाला है! मैं फिर से अपनी शानदार टीम के साथ काम करने और 'बे' की हील्स (जूते) पहनने का इंतजार नहीं कर सकती। वह सच में सबसे प्यारी लड़की है।

यह सीरीज एक अरबपति फैशनिस्टा (एक ऐसा व्यक्ति जो फैशन में बहुत रुचि रखता है) की कहानी है, जो एक हादसे के बाद अपने परिवार और बाकी लोगों से अलग हो जाती है और पहली बार अपने दम पर जिंदगी का सामना करती है। इस सफर में वह कई दोस्त और उनके साथ अपनी पहचान बनाती है। 'कॉल मी बे' में अनन्या के साथ वीर दास, सयानी गुप्ता, गुरफतेह सिंह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका दत्त और लिसा मिश्रा जैसे कलाकार अहम भूमिका में थे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनन्या जल्द ही कार्तिक के साथ 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जिसकी जानकारी कार्तिक आर्यन ने खुद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी थी। इसमें नीना गुप्ता और जैकी श्रॉफ जैसे स्टार्स भी अहम भूमिकाओं में होंगे। फिल्म को करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्वा मेहता और किशोर अरोड़ा मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह कार्तिक और अनन्या की दूसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों 2019 में 'पति पत्नी और वो' में साथ नजर आ चुके हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक लव स्टोरी है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है।

विवादों के बाद आखिरकार रिलीज, हुई 'द बंगाल फाइल्स', की धीमी शुरुआत

फिल्म निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री की बहुचर्चित फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' आखिरकार 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। महीनों से फिल्म को लेकर कई विवाद सामने आ रहे थे, लेकिन इस दौरान फिल्म को लेकर लोगों में उत्सुकता साफ देखने को मिल रही थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की पहले दिन की कमाई उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई। सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के पहले दिन लगभग 1.75 करोड़ रुपये की कमाई की, जबकि विवेक अग्निहोत्री की पिछली फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' ने पहले ही दिन 3.5 करोड़ रुपये से ज्यादा की ओपनिंग की थी और धीरे-धीरे जबरदस्त कमाई करते हुए 250 करोड़ के क्लब में पहुंची थी।

'द कश्मीर फाइल्स' की तुलना में 'द बंगाल फाइल्स' की शुरुआत काफी धीमी रही है। फिल्म की कहानी 1946 में हुए 'डायरेक्ट एक्शन डे' यानी कलकत्ता दंगे पर आधारित है। बॉक्स ऑफिस पर 'द बंगाल फाइल्स' और टाइगर श्रॉफ की 'बागी 4' आमने-सामने हैं। इस फिल्म के जरिए टाइगर लोकप्रिय फ्रेंचाइजी में वापसी कर रहे थे। सैकनिल्क के मुताबिक, 'बागी 4' ने पहले ही दिन तगड़ी शुरुआत करते हुए लगभग 12 करोड़ रुपये की कमाई की। इससे तुलना करें तो 'द बंगाल फाइल्स' का आंकड़ा बहुत ही कम रहा है। हालांकि, फिल्ममेकर्स को वीकेंड से ज्यादा उम्मीदें हैं।

बता दें कि 'द बंगाल फाइल्स' में मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, सिमरत कौर, अनुपम खेर, दर्शन कुमार, सास्वत चैटर्जी और नामाशी चक्रवर्ती जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी दो हिस्सों में चलती है। एक तरफ वर्तमान में, जहां एक सीबीआई ऑफिसर शिव पंडित, जिसका किरदार दर्शन कुमार ने निभाया है, जिसे पश्चिम बंगाल में एक लड़की के गायब होने पर जांच करने के लिए भेजा जाता है। दूसरी तरफ कहानी चलती है आजादी और भारत के विभाजन से पहले की। यह भारती, जिसकी भूमिका में सिमरत कौर है, के इर्द-गिर्द बुनी गई है।

दीपिका चिखलिया का राजस्थानी अवतार, रामायण की सीता ने फिर जीता फैंस का दिल

रामानंद सागर की रामायण का जिक्र होते ही हर दिल में माता सीता का किरदार याद आने लगता है। इस किरदार को निभाने वाली अभिनेत्री दीपिका चिखलिया ने अपनी सादगी और अभिनय से हर घर में खास जगह बनाई। आज भी वह अपने प्रशंसकों से जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर सक्रिय रहती हैं।

हाल ही में दीपिका ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह राजस्थानी राजपूत परिधान में नजर आ रही हैं। पोस्ट किए गए वीडियो में दीपिका राजस्थानी राजपूताना पोशाक (बेस) में सजी-धजी दिख रही हैं। मांग टीका, चूड़ियां (पोची), और पारंपरिक गहनों से सजा उनका लुक बेहद आकर्षक है। हर छोटी-बड़ी डिटेल पर बारीकी से ध्यान दिया गया है, जो उनके किरदार को और भी खास बनाता है। उनकी चाल-ढाल में राजस्थानी संस्कृति की झलक साफ दिखाई देती है। वीडियो के बैकग्राउंड में 'सैयां ले गयी जिया' गाना उनकी शोभा को और बढ़ाता है।

इस लुक ने फैंस को फिर से उनकी सीता मां की याद दिला दी। फैंस इस वीडियो को खूब पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया साझा कर रहे हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, वाह, तो दूसरे यूजर ने लिखा, जय मां सीता। एक और यूजर ने लिखा, राजस्थानी पोशाक में आप बेहद खूबसूरत लग रही हैं। दीपिका का यह राजस्थानी अवतार न केवल उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वह आज भी दर्शकों के दिलों पर राज करती हैं। बता दें, यह गाना साल 1969 में आई फिल्म 'एक फूल दो माली का' का है, जिसको गायिका आशा भोसले ने गाया है। म्यूजिक डायरेक्ट रवि ने किया है। गाने में अभिनेत्री साधना शिवदासानी के साथ संजय खान और बलराज साहनी भी हैं।

अभिनेत्री ने भले ही 1983 में रिलीज हुई 'सुन मेरी लैला' से अपने अभिनय की शुरुआत की हो, लेकिन उन्हें रामानंद सागर की रामायण से ही घर-घर जाना जाने लगा था। इसके बाद उन्होंने 'रुपए दस करोड़' और 'घर का चिराग' जैसी हिंदी फिल्मों में भी काम किया था। वह आयुष्मान खुराना की फिल्म 'बाला' में भी दिखाई दी थीं, जिसमें यामी गौतम और भूमि पेडनेकर ने भी भूमिकाएं निभाई थीं। वह बहुत जल्द फिल्म वीर 'मुरारबाजी' में दिखाई देंगी। यह एक मराठी फिल्म है। इसमें वे जीजाबाई का रोल निभाएंगी।

ठंड व खांसी लगने पर न खाएं ये फल, हो सकती है गंभीर समस्या

ठंड और खांसी लगने पर लोग फलों का सेवन करना फायदेमंद समझते हैं। हालांकि, कुछ फल ऐसे होते हैं, जिनका सेवन सर्दी और खांसी की समस्या को बढ़ा सकता है। इसका मुख्य कारण है कि इनमें ठंडक बढ़ाने वाले गुण होते हैं, जो समस्या को बढ़ाते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे फलों के बारे में बताते हैं, जिनका सेवन ठंड और खांसी होने पर नहीं करना चाहिए।

संतरा

संतरे में विटामिन-सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकता है। हालांकि, अगर आप पहले से ही ठंड और खांसी की समस्या से जूझ रहे हैं तो भूल से भी संतरे का सेवन न करें। इसका कारण है कि संतरे में खट्टा तत्व होता है, जो गले में जलन और खराश को बढ़ा सकता है।

अनानास

अनानास एक ऐसा फल है, जो ठंडक को बढ़ा सकता है और इससे सर्दी और खांसी की समस्या बढ़ सकती है। वैसे अनानास में एक प्रकार का एंजाइम होता है, जो सूजन को कम करने में मदद कर सकता है, लेकिन सर्दी और खांसी होने पर इस फल का सेवन करने से परहेज करें। इसके अतिरिक्त अनानास का रस भी न पीएं क्योंकि यह भी ठंडक दे सकता है।

केला

केला एक ऐसा फल है, जो कई लोगों की पसंदीदा है, लेकिन ठंड और खांसी होने पर इसका सेवन न करें। इसका कारण है कि केला पोटेशियम से भरपूर होता है, जो गले में बलगम को बढ़ाने का काम करता है। हालांकि, अगर आप सर्दी और खांसी की समस्या से जूझ रहे हैं तो केला न ही खाएं और इसके जूस या शेक का सेवन भी न करें।

अंगूर

अंगूर विटामिन-सी के साथ-साथ एंटी-आक्सीडेंट्स से भरपूर होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, ठंड और खांसी होने पर अंगूर का सेवन करने से बचें। इसका कारण है कि अंगूर में कुछ तत्व होते हैं, जो

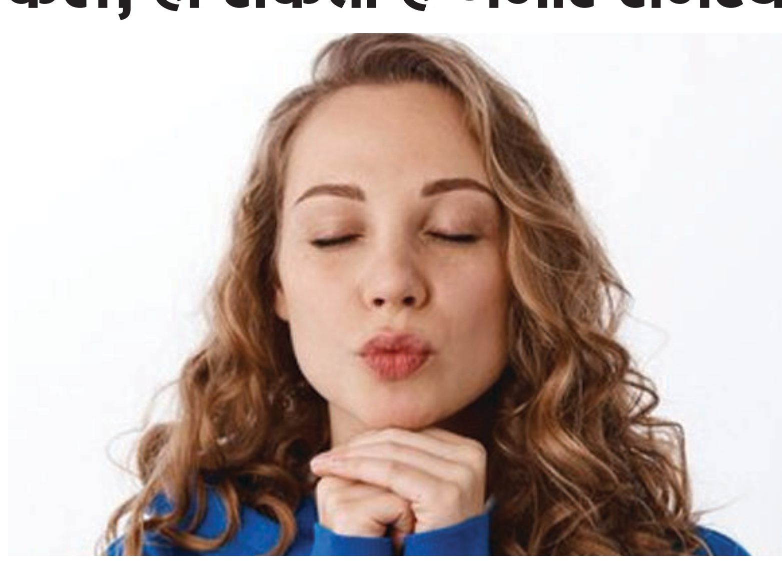

खून को पतला करके नासूर बनने से रोकने में मदद कर सकते हैं। ठंड और खांसी होने पर अंगूर की जगह अनार का सेवन करें।

नाशपाती

नाशपाती भी एक ऐसा फल है, जिसे ठंड और खांसी की समस्या होने पर नहीं खाना चाहिए। इसका कारण है कि इसमें भी ठंडक बढ़ाने वाले गुण होते हैं, जो समस्या को बढ़ा सकते हैं। इसलिए सर्दी और खांसी होने पर नाशपाती का सेवन न करें। ठंड और खांसी की समस्या होने पर नाशपाती की जगह अनार का सेवन करें क्योंकि यह फल ठंडक नहीं बढ़ाता है।

भारत में इस साल का पूर्ण चंद्र ग्रहण आज : भारत के अधिकांश हिस्सों में दिखेगा

भिलाई। भारत में इस साल का पहला चंद्रग्रहण रविवार की रात को लगेगा। भाद्रपद मास की पूर्णिमा तिथि को घटित होने वाला यह एक पूर्ण चंद्र ग्रहण होगा। आज लगने वाले चंद्रग्रहण को भारत के अधिकांश हिस्सों में देखा जा सकेगा। भारत के अलावा यह ग्रहण पश्चिमी प्रशांत महासागर, हिंद महासागर, पूर्वी अटलांटिक महासागर, अंटार्कटिका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप आदि में भी दिखाई देगा। रविवार रात्रि लगने वाला यह ग्रहण न केवल खगोलीय दृष्टि से विशेष है, बल्कि धार्मिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है।

हिन्दु पंचांग के अनुसार यह ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में लगेगा। भारतीय समयानुसार ग्रहण का प्रारंभ रात 9:57 बजे होगा। ग्रहण का मध्य काल रात 11:41 बजे और मोक्ष काल रात 1:27 बजे होगा। ग्रहण का स्पर्श, मध्य व मोक्ष काल पूरे भारत में रहेगा। बात करें सूतक काल की तो ग्रहण शुरू होने के 9 9 घंटे पहले सूतक काल की शुरुआत हो जाती है। इस बार सूतक काल 7 सितंबर को दोपहर 12 बजकर 26 मिनट से प्रारंभ होगा और पूरे ग्रहण काल तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान देव-प्रतिमाओं का स्पर्श, पूजा-पाठ और हवन आदि वर्जित हैं।

राशियों पर पड़ेगा ग्रहण का असर

चंद्रग्रहण का प्रभाव सभी 12 राशियों पर पड़ेगा। हिन्दू पंचांग के अनुसार यह ग्रहण कुंभ राशि और पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में लग रहा है और शनि की राशि में घटित हो रहा है। ऐसे में कुंभ राशि वालों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। कुंभराशि वालों को यह ग्रहण खुली आखों से नहीं देखना चाहिए। मान्यता है कि पूर्ण चंद्र ग्रहण में नकारात्मक चीजें काफी बलशाली हो जाती हैं, इसलिए मंत्र जाप आदि करने से इसका प्रभाव कम हो सकता है।

12 राशियों पर पड़ने वाला प्रभाव

- मेष राशि : मेष राशि के जातकों के राशि से एकादश भाव पर ग्रहण रहेगा। अचानक धन लाभ के योग बनेंगे, लेकिन इन्हें अपनी सेहत का ध्यान रखना होगा।
- वृषभ राशि : वृषभ राशि वालों के लिए यह चंद्र ग्रहण मिश्रित फल प्रदान करने वाला होगा। यह ग्रहण राशि से दशम स्थान पर रहेगा, इसलिए कार्यक्षेत्र में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं।
- मिथुन राशि : यह चंद्रग्रहण मिथुन राशि वालों के लिए शुभ फलदायी रहेगा। इस राशि के स्वामियों की धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
- कर्क राशि : यह चंद्रग्रहण कर्क राशि के जातकों के लिए प्रतिकूल रह सकता है। परिवार में किसी बात पर तनाव बढ़ सकता है। इस राशि के जातक सेहत को लेकर सतर्क रहें।
- सिंह राशि : सिंह राशि के जातकों के करियर-कारोबार के लिए चंद्रग्रहण शुभ साबित होगा। वैवाहिक जीवन में सावधानी जरूरी है। अहं के प्रभाव से बचना चाहिए।
- कन्या राशि : कन्या राशि के जातकों के लिए चंद्रग्रहण शत्रुओं पर विजय वाला साबित होगा। इस राशि के छात्रों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वालों के लिए शुभ परिणाम दिलाएगा।
- तुला राशि : चंद्र ग्रहण का असर आपके पारिवारिक जीवन पर रहेगा। तुला राशि के जातक किसी भी प्रकार के विवाद से बचें। इस राशि के लोगों को अपने बच्चों की ओर से चिंता बनी रहेगी।
- वृश्चिक राशि : आपको वाहन और यात्रा से लाभ मिलेगा। गृहस्थ जीवन में सुख में बाधा होगी। नई संपत्ति खरीदने का योग बन सकता है।
- धनु राशि : धनु राशि के जातकों के लिए साल का दूसरा चंद्रग्रहण शुभ परिणाम देने वाला होगा। इन्हें भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए काम पूरे होंगे। करियर में तरक्की होगी।
- मकर राशि : मकर राशि के जातक धन संबंधी मामलों में सावधानी रखें। चंद्र ग्रहण के प्रभाव से इस राशि के जातकों के खर्च बढ़ सकते हैं। परिवार के सदस्यों से संवाद बनाए रखें और संयमित रहें।
- कुंभ राशि : चंद्रग्रहण आपके व्यक्तित्व और मानसिक संतुलन पर प्रभाव डालेगा। आध्यात्मिक साधना और आत्मचिंतन के लिए शुभ समय कहा जाएगा।
- मीन राशि : चंद्रग्रहण का मीन राशि पर प्रतिकूल असर देखने को मिल सकता है। इस राशि के जातक आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। खर्चों पर नियंत्रण रखें और उधार या निवेश सोच-समझकर करें।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने किया क्षेत्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने शनिवार को कबीरधाम जिले में प्रदेश की 5वीं क्षेत्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला का शुभारंभ किया। यह प्रयोगशाला न केवल जिले के लिए बल्कि पूरे प्रदेश की अपराध जांच और न्यायिक प्रक्रिया को नई दिशा देने वाली साबित होगी। इस अवसर पर पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा फॉरेंसिक विज्ञान आधुनिक अपराध जांच की रीढ़ है। हत्या, बलात्कार, लूट, साइबर अपराध, आर्थिक अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर मामलों में पारंपरिक तरीकों के बजाय वैज्ञानिक साक्ष्य ही न्याय दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। घटनास्थल पर छोड़ा गया डीएनए, खून का धब्बा, एक बाल का तंतु, जूतों के निशान, बारूद के कण या डिजिटल डिवाइस में छिपा डेटा ङ्क यही सबूत अपराधियों को पकड़वाते हैं और अदालत में उन्हें सजा दिलाने में सबसे अहम होते हैं।

कबीरधाम प्रयोगशाला में अत्याधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित वैज्ञानिक अधिकारियों की उपलब्धता से अब इन साक्ष्यों की जांच और भी तेजी और सटीकता से हो सकेगी। इसका सीधा असर अपराध न्याय प्रणाली पर होगा।

- **पुलिस विवेचकों को समय पर रिपोर्ट मिलेगी।**
- **अदालतों में दोषसिद्धि दर में वृद्धि होगी।**
- **अपराधियों को शीघ्र सजा दिलाना संभव होगा।**
- **समाज में कानून का विश्वास और अपराध का भय दोनों मजबूत होंगे।**

उन्होंने कहा अब तक छोटे जिलों से संबंधित प्रकरणों की जांच के लिए नमूनों को बड़े शहरों की प्रयोगशालाओं में भेजना पड़ता था, जिससे समय और संसाधनों की बड़ी खपत होती थी। लेकिन कबीरधाम में प्रयोगशाला शुरू होने से न केवल जिले, बल्कि बेमेतरा, खैरागढ़-छुईखदान-मंडई और मुंगेली जिलों को भी सीधा लाभ मिलेगा। स्थानीय स्तर पर जांच की सुविधा मिलने से न्यायिक प्रक्रिया तेज और पारदर्शी होगी।

इस प्रयोगशाला की स्थापना से कबीरधाम जिले व आस-पास के जिलों में अपराधों के साक्ष्यों की त्वरित जांच की सुविधा मिलेगी साथ ही कानून व्यवस्था सुदृढ़ होगी और आम जनता में कानून के प्रति और विश्वास बढ़ेगा साथ ही न्यायिक प्रक्रिया न केवल तेज होगी बल्कि अधिक पारदर्शी होगी। कबीरधाम प्रयोगशाला की शुरुआत से जिला स्तर पर स्थापित सीन ऑफ क्राइम यूनिटों की कार्यक्षमता भी और बढ़ेगी। अब घटनास्थल पर ही वैज्ञानिक मार्गदर्शन और तकनीकी सहयोग मिल सकेगा, जिससे जांच में चूक की संभावना समाप्त होगी। प्रयोगशाला शुभारंभ के अवसर पर पूर्व विधायक डॉ सियाराम साहू,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामकुमार भट्ट,नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, जनपद अध्यक्ष सुषमा गणपत बघेल,कलेक्टर गोपाल वर्मा,पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र छवई,उप पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल,डीएसपी कृष्ण कुमार चंद्राकर जिला पंचायत सदस्य रोशन दुबे,मनीराम साहू,विदेशी राम धुर्वे ,श्रीकांत उपाध्याय,समस्त पार्षद गण नगरपालिका कवर्धा सहित नागरिक ,पत्रकार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री साय ने एम्स रायपुर में भर्ती विशंभर यादव का जाना कुशलक्षेम : इलाज के लिए 5-5 लाख की आर्थिक सहायता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के टाटीबंध स्थित एम्स रायपुर में भर्ती सुरजपुर जिले के विशंभर यादव से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री साय ने चिकित्सकों से विशंभर यादव के स्वास्थ्य की जानकारी ली और बेहतर इलाज के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

मुख्यमंत्री साय ने एम्स रायपुर में नीलू गुप्ता का भी हाल-चाल जाना। मुख्यमंत्री साय को नीलू गुप्ता ने बताया कि वे और विशंभर यादव एक साथ ही सड़क दुर्घटना में घायल हुए थे। मुख्यमंत्री साय ने विशंभर यादव और नीलू गुप्ता को इलाज के लिए 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने विशंभर यादव की धर्मपत्नी श्रीमती उषा यादव से भी बातचीत की और उन्हें आश्वस्त किया कि इलाज के लिए हरसंभव मदद दी जाएगी।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल उपस्थित थे।

डबल सब्सिडी से छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा का उजाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया है। केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को प्रदेश सरकार के प्रत्यक्ष सहयोग से दोगुना लाभ मिल रहा है। डबल सब्सिडी और हाफबिजली से मुफ्त बिजली की ओर छत्तीसगढ़ का संकल्प अब साकार होने लगा है। इस योजना से न केवल बिजली का खर्च कम होगा, बल्कि आम नागरिकों के लिए अतिरिक्त आय का साधन भी उपलब्ध होगा।

आवासीय मकानों की छतों पर सौर पैनल स्थापित कर स्वच्छ, किफायती और स्थायी ऊर्जा उपलब्ध कराना इस योजना का उद्देश्य है। वर्ष 2024 में घोषणा के बाद यह योजना देशभर में लागू की गई और अब छत्तीसगढ़ सरकार ने भी इसमें अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित की है। पूर्व में केंद्र सरकार द्वारा 60 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही थी। राज्य सरकार की भागीदारी से यह राहत और बढ़ गई है। उदाहरणस्वरूप, 3 किलोवाट क्षमता के सौर पैनल की कुल लागत लगभग 1.50 लाख रुपये होती है। डबल सब्सिडी के पश्चात उपभोक्ताओं को अब केवल 30 से 40 हजार रुपये का व्यय करना होगा।

योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को बैंकों से 6.5 प्रतिशत ब्याज दर पर 10 वर्षों के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे मासिक ईएमआई इतनी किफायती होगी कि यह मौजूदा बिजली बिल से भी कम साबित होगी। कुछ वर्षों पश्चात उपभोक्ता को जीवनभर मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा। घर में आवश्यकता से अधिक उत्पादित बिजली राज्य की वितरण कंपनियों को ग्रिड के माध्यम से बेची जा सकेगी। यह व्यवस्था विशेषकर ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त आय एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता का साधन बन रही है। यह योजना केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी लाभकारी है। प्रत्येक घर ग्रीन एनर्जी हब के रूप में विकसित हो रहा है तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। जहां ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है, वहां सौर ऊर्जा के माध्यम से निर्बाध एवं स्वच्छ बिजली उपलब्ध होगी। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए तकनीकी, इंस्टॉलेशन एवं रखरखाव कार्यों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

प्रदेश सरकार का नारा है -हाफ बिजली से मुफ्त बिजली की ओर छत्तीसगढ़। इसका आशय यह है कि पहले जितनी राशि बिजली बिल के रूप में चुकानी पड़ती थी, अब उसी राशि से सौर पैनल स्थापित कर जीवनभर मुफ्त बिजली प्राप्त की जा सकती है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए नागरिक https// pm suryaghar. gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। निरीक्षण एवं इंस्टॉलेशन की प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात सब्सिडी की राशि सीधे उपभोक्ता के खाते में जमा कर दी जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी जानकारी की कमी, डिजिटल आवेदन की जटिलता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु पंचायत स्तर पर सहायता केंद्र एवं फील्ड सपोर्ट टीम गठित करने की तैयारी की जा रही है।

डबल सब्सिडी, किफायती ऋण, अतिरिक्त आय और पर्यावरण संरक्षण जैसे बहुआयामी लाभों के साथ यह योजना छत्तीसगढ़ को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जागरूकता और जनभागीदारी से ही हर घर सौर -हर घर रोशन का सपना पूर्ण रूप से साकार हो सकेगा।

स्थानीय रूप से उपलब्ध बांस और सवई घांस से बनेंगे आकर्षक उत्पाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। जशपुर वनमण्डल अन्तर्गत कांसाबेल परिक्षेत्र की संयुक्त वन प्रबंधन समितियों में 04 सितंबर से महिलाओं को स्थानीय रूप से उपलब्ध बांस और सवई घांस से आकर्षक आभूषण, सजावटी वस्तुएं और अन्य कलात्मक उत्पाद बनाने की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। इस पहल से महिलाएं आत्मनिर्भरता को प्राप्त करेंगी और आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगी।

असम की प्रसिद्ध बांस कला विशेषज्ञ नीरा शर्मा, जिन्हें बैम्बू लेडी ऑफइंडिया के नाम से जाना जाता है, विशेष प्रशिक्षण शिविर का संचालन कर रही हैं। आगामी 15 दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण में स्थानीय रूप से उपलब्ध बांस और सवई घांस को ही आधारभूत सामग्री के रूप में प्रयोग किया जा रहा है। पहले जिन संसाधनों का उपयोग सीमित रूप से होता था, अब वही साधन महिलाओं के लिए आय के नए अवसर लेकर आया है। इससे बनने वाले आकर्षक आभूषण, सजावटी वस्तुएं और अन्य कलात्मक उत्पाद उपयोगी होने के साथ ही घर एवं अन्य प्रतिष्ठानों की शोभा भी बढ़ाएगी।

समिति की लगभग 30 महिला सदस्य इस प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं। प्रशिक्षण के शुरुआती दिनों में ही उनमें सीखने को लेकर नया उत्साह दिखाई दे रहा है। इन महिलाओं का कहना है इससे उनमें एक नया आत्मविश्वास जगा है, अब वे भी अतिरिक्त आय अर्जित कर घर-परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकती हैं। प्रशिक्षण शिविर में परिक्षेत्राधिकारी, वन अमला और समिति के सदस्य लगातार सहयोग और मार्गदर्शन दे रहे हैं। वन विभाग का मानना है कि इस तरह की पहल से ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी और स्थानीय वन उत्पादों का वाणिज्यिक उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत आवासीय प्रशिक्षण संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के निर्देशानुसार सरगुजा जिले में 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान 2024-25' के अंतर्गत आदि कर्मयोगी अभियान अनुसार जिला स्तरीय प्रक्रिया प्रयोगशाला का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आज संपन्न हुआ।

इस प्रशिक्षण में जिला मास्टर ट्रेनर्स (डीएमटी) द्वारा विकासखंड मास्टर ट्रेनर्स (बीएमटी) को प्रशिक्षित किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न नवाचारों और नवीन गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। कुल 49 ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को इस प्रशिक्षण से तैयार किया गया है। ये बीएमटी आगे ब्लॉक एवं क्लस्टर स्तर पर आदि साथी और आदि सहयोगियों को प्रशिक्षित करेंगे। इस अभियान का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाओं को पहुँचाना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना है। अभियान के अंतर्गत प्रत्येक गांव के लिए ट्राइबल विलेज विजन /2030 तैयार किया जाएगा। इसमें गांव की मौजूदा आवश्यकताओं का आकलन कर विलेज डेवलपमेंट प्लान बनाया जाएगा। अपना गांव - समृद्धि का सपना की अवधारणा के अनुरूप जिले के चिन्हांकित 416 ग्रामों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए 8 क्लस्टर का गठन किया गया है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत सरकार द्वारा नियुक्त जिला नोडल प्रभारी किरण कुमार, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग डॉ. ललित शुक्ला, सहायक संचालक किरण राजपूत तथा विभिन्न विभागों से जुड़े जिला मास्टर ट्रेनर्स आदिवासी विकास विभाग से गिरधारी लाल बालेंद्र, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से नवीन सोनी, महिला एवं बाल विकास विभाग से बसंत मिंज, स्वास्थ्य विभाग से गजेंद्र पैकरा, शिक्षा विभाग से बी.बी. राम, जल शक्ति विभाग से एम.के. गुप्ता और वन विभाग से जेनी ग्रेस मिंज सहित अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

केन्द्र सरकार की अभिनव पहल 'प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना एक ऐसी योजना है जिसमें सौर ऊर्जा के माध्यम से घरों तक रोशनी पहुंचाई जा रही है। योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बिजली के लिए आत्मनिर्भर बनाना है। इसके तहत हितग्राहियों को केन्द्र सरकार की ओर से 78 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार तक की सब्सिडी दी जा रही है साथ ही प्रतिमाह 300 यूनिट फ्री बिजली का भी प्रावधान है।

योजना के तहत बिलासपुर जिला चांटीडीह निवासी अशोक साहू ने अपने दो घरों की छत पर सोलर पैनल लगवाया है, उन्होंने चार किलोवाट और तीन किलोवाट के दो सोलर पैनल लगवाएं हैं जिनमें से एक उनकी पत्नी श्रीमती प्रीति साहू के नाम है। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल से हो रहे बिजली उत्पादन से अब उन्हें महंगे बिजली के बिल से राहत मिल रही है और उनके दोनों घरों का बिजली बिल शून्य हो गया है। इस महत्वपूर्ण योजना के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार जताया है। चांटीडीह निवासी अशोक साहू ने बताया कि उनके दो घर हैं एक उनकी पत्नी के नाम और एक स्वयं उनके नाम पर, घर बड़ा और संयुक्त परिवार होने के कारण बिजली की खपत काफी अधिक थी जिससे बिल काफी अधिक आता था। सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के विषय में जानकारी मिलने पर उन्होंने भी इसे लगवाने का निर्णय लिया और दोनों घरों की छत पर सोलर पैनल लगवाया। उन्होंने बताया कि तीन किलोवाट की लागत 190000 थी जो 90 प्रतिशत उनकी पत्नी के नाम पर फाइनेंस हो गया। वहीं चार किलोवाट की लागत 240000 थी जिसमें से केंद्र द्वारा सब्सिडी के रूप में 78000 और राज्य सरकार की सब्सिडी 30000 रुपए उनके खाते में आ गए हैं।

वहीं उनकी पत्नी के नाम पर लगे सोलर पैनल की सब्सिडी भी जमा हो गई है। उन्होंने बताया कि जब से उन्होंने अपने दोनों घरों की छत पर सोलर पैनल लगवाया है, उनके बिजली बिल शून्य हो गया है। सोलर पैनल के जरिए छत पर हो रहे बिजली उत्पादन से उनकी प्रतिमाह बिजली पर होने वाले खर्च की बचत हो रही है। श्री साहू ने बताया कि दोनों घरों की छत पर 7 किलोवाट का सोलर पैनल लगा है, जिससे हो रहे बिजली उत्पादन से प्रतिमाह बिजली बिल की अब चिंता नहीं रही, वहीं वे उत्पादक के रूप में भी बिजली की सप्लाई भी कर रहे हैं जो गर्व की बात है। सोलर पैनल लगवाने के बाद उनके घर का बिजली बिल शून्य हो गया है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत केवल 1 बार निवेश करना है जिसके बाद 25 वर्षो तक बिजली की आपूर्ति होती रहेगी। लंबे समय के लिए यह एक बेहद किफायती योजना है जिसके लिए बैंक द्वारा कम ब्याज दर पर ऋण की भी सुविधा दी जाती है। उन्होंने बताया कि एक बार सोलर पैनल लगवाने के बाद इस पर किसी प्रकार का मेंटेनेन्स खर्च नहीं है और पैनल लगाने वाली कंपनी द्वारा 5 साल तक निःशुल्क सविर्सिंग की सुविधा दी जाती है।

जनजातीय बोली संरक्षण हेतु देश का पहला एआई आधारित 'आदिवाणी ऐप' का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जनजातीय भाषाओं और बोलियों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए एआई आधारित अनुवाद ऐप आदिवाणी का बीटा संस्करण लॉन्च किया गया। इसका शुभारंभ बीते दिनों केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके ने डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में किया। यह भारत का पहला एआई आधारित ट्रांसलेशन ऐप है, जिसके माध्यम से हिंदी, अंग्रेजी एवं जनजातीय बोलियों में वास्तविक समय में टेक्स्ट टू टेक्स्ट, स्पीच टू टेक्स्ट और स्पीच टू स्पीच अनुवाद संभव होगा।

इसके प्रथम चरण में छत्तीसगढ़ की गोंडी, मध्यप्रदेश की भीली, झारखंड की मुंडारी और ओडिशा की संथाली बोलियों को शामिल किया गया है। वहीं दूसरे चरण में ओडिशा की कुई और मेघालय की गारो बोली को जोड़े जाने का निर्णय लिया गया है। यह ऐप आईआईटी दिल्ली, बिट्स पिलानी, आईआईआईटी हैदराबाद और आईआईआईटी नवा रायपुर द्वारा विकसित किया गया है। गोंडी बोली के लिए कार्पस निर्माण का कार्य छत्तीसगढ़ में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा कराया गया। यह कार्य प्रमुख सचिव श्री सोनमणी बोरा के निर्देशन में संपन्न हुआ। गोंडी बोली के लिए संस्थान द्वारा 1,06,571 वाक्यों का अनुवाद और 17,500 वाक्यों की रिकॉर्डिंग कर उपलब्ध कराई गई है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

नकली नोट के साथ आरोपी गिरफ्तार, उड़ीसा से लाया था नोट

कवर्धा। जिले के दशरंगपुर पुलिस चौकी की टीम ने नकली नोटों के नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से 500 रुपये के 15 नकली नोट बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में इस गिरोह का ओडिशा से कनेक्शन सामने आया है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक नकली नोटों को बाजार में खपाने की फिराक में घूम रहा था। इस बीच मुखबिर से मिली सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे दबोच लिया। जब उसकी तलाशी ली गई तो 500 रुपये के 15 नकली नोट बरामद हुए। पूछताछ में युवक ने खुलासा किया कि वह ओडिशा के नकली नोट नेटवर्क से जुड़ा हुआ है। बरामद नोटों को पुलिस ने फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है। फिलहाल आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

नेशनल हाईवे पर सड़क हादसा, शिक्षिका की मौत

धमतरी/रायपुर। रायपुर-धमतरी नेशनल हाईवे पर शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में हायर सेकेंडरी स्कूल की शिक्षिका नंदिनी सिन्हा की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि उनकी स्कूटी को तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। अस्पताल ले जाने पर इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना ने क्षेत्र में शोक और आक्रोश दोनों का माहौल पैदा कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका नंदिनी सिन्हा ग्राम कुंडेल के हायर सेकेंडरी स्कूल में शिक्षिका के पद पर पदस्थ थीं। रोजाना की तरह शनिवार सुबह भी वे स्कूटी से स्कूल के लिए निकली थीं। जैसे ही वे कुरूद थाना क्षेत्र के कोड़ेबोड के पास हाईवे पर पहुंचीं, तभी तेज रफ्तार से आ रही एक कार ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नंदिनी सड़क पर बुरी तरह गिर पड़ीं और उन्हें गंभीर चोटें आईं। आस-पास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया।

घायल हालत में नंदिनी सिन्हा को कुरूद के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के चलते कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई। कुरूद थाना पुलिस को हादसे की जानकारी मिलते ही मौके पर टीम भेजी गई। पुलिस ने कार को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

युवती ने की आत्महत्या

कांकेर। जिले के पखांजुर थाना क्षेत्र के ग्राम पीवी 39 में शनिवार को उस वक्त सनसनी फैल गई, जब एक 19 वर्षीय युवती प्रेरणा मल्लिक ने अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और पड़ोसी दंग रह गए। परिजनों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतका प्रेरणा मल्लिक के परिजनों ने बताया कि सुबह जब काफी देर तक वह कमरे से बाहर नहीं निकली तो घरवालों ने दरवाजा खटखटाया। जब कोई जवाब नहीं मिला, तो परिजन किसी तरह दरवाजा खोलकर अंदर पहुंचे। अंदर का दृश्य देखकर सभी स्तब्ध रह गए।

ऑपरेशन मानसून : डीआरजी व एसटीएफ की टीम ने किया 8 लाख की इनामी महिला नक्सली को ढेर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। बस्तर संभाग में नक्सल उन्मूलन की दिशा में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र में शुक्रवार को डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ में प्लाटून नंबर-16 की कमांडर और पीपीसी सचिव सोढ़ी विमला को मार गिराया। उस पर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। यह कार्रवाई माड़ बचाओ अभियान के तहत चलाए जा रहे ऑपरेशन मानसून का हिस्सा थी। कैसे हुआ मुठभेड़?

सूत्रों के अनुसार, पुलिस को इनपुट मिला था कि अबूझमाड़ के ओरछा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बोण्डोस, नेंदुर और गवाडी के जंगलों में पूर्व बस्तर डिवीजन के नक्सली सक्रिय हैं। इस सूचना पर 4 सितंबर से विशेष अभियान शुरू किया गया। 5 सितंबर की सुबह जब नारायणपुर डीआरजी, दंतेवाड़ा डीआरजी और एसटीएफ की टीम नेंदुर-गवाडी के पहाड़ी इलाके में पहुंची, तभी घात लगाए बैठे माओवादियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाला और कुछ देर चली मुठभेड़ में एक

महिला माओवादी ढेर हो गई। मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने कई हथियार और विस्फोटक बरामद किए, जिनमें शामिल हैं: एक 303 राइफल, एक 315 बोर राइफल, दो बीजीएल लांचर लगभग 19 किलोग्राम, तरल विस्फोटक सामग्री (जिलेटिन स्टिक) दैनिक उपयोग की वस्तुएं और नक्सली साहित्य शामिल है।

पुलिस का कहना है कि बरामद विस्फोटक का इस्तेमाल IED बनाने में किया जा सकता था। मारे गए नक्सली की पहचान ढेर हुई महिला नक्सली की पहचान सोढ़ी विमला के रूप में हुई है, जो प्लाटून नंबर-16 की कमांडर और पीपीसी सचिव थी। वह मूल रूप से डब्बाकोंटा थाना चिंतागुफा, जिला सुकमा की रहने वाली थी। विमला लंबे समय से सक्रिय रहकर कई नक्सली वारदातों में शामिल रही थी और पुलिस के लिए सिरदर्द बनी हुई थी।

नारायणपुर पुलिस अधीक्षक रोबिनसन गुड़िया ने इस सफलता को निर्णायक बताते हुए कहा: प्लाटून 16 माड़ डिवीजन अंतर्गत सक्रिय रहकर कई नक्सल घटनाओं को अंजाम देता रहा है। न्यू कैंप एडजूम की स्थापना से इंद्रावती और पूर्व बस्तर क्षेत्र के नक्सलियों में घबराहट है। अबूझमाड़ अब नक्सलियों के लिए सुरक्षित ठिकाना नहीं रहा। मानसून जैसी परिस्थितियों में भी लगातार अभियान ने नक्सलियों की कमर तोड़ दी है। हम अब निर्णायक चरण में प्रवेश कर चुके हैं। जो लोग नक्सलवाद की खोखली विचारधारा से भ्रमित हैं, उन्हें समाज की मुख्यधारा से जुड़ना चाहिए।

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टलिंगम ने कहा: पूरे बस्तर संभाग में माओवादी संगठन के खिलाफ मजबूत अभियान चल रहा है। मानसून की कठिन परिस्थिति में मिली यह सफलता हमारे जवानों के दृढ़ संकल्प को दिखाती है। बस्तर में स्थायी शांति स्थापित करना हमारी प्राथमिकता है और यह अभियान लगातार जारी रहेगा। खून के धब्बों से घायल नक्सलियों का अंदेशा मुठभेड़ स्थल से बरामद खून के धब्बों के आधार पर पुलिस को आशंका है कि कई अन्य नक्सली इस कार्रवाई में घायल हुए हैं, हालांकि माओवादी अपने साथियों के शव और घायलों को उठा ले गए। सुरक्षा बलों ने क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है।

बारिश के मौसम में नक्सली अक्सर जंगलों और दुर्गम इलाकों में छिपकर सुरक्षाबलों से बचने की कोशिश करते हैं। ऐसे में ऑपरेशन मानसून बेहद चुनौतीपूर्ण है। बावजूद इसके, डीआरजी और एसटीएफ ने लगातार कार्रवाई करते हुए नक्सलियों पर दबाव बनाए रखा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन अभियानों से अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में भी नक्सलियों का प्रभाव तेजी से घट रहा है। विशेषज्ञ बताते हैं कि सोढ़ी विमला जैसे बड़े कमांडरों का मारा जाना नक्सलियों के लिए बड़ा झटका है। यह न सिर्फ उनकी संगठनात्मक क्षमता को कमजोर करेगा, बल्कि स्थानीय कैडरों का मनोबल भी टूटेगा।

फिल्मी स्टाइल में डीजल चोरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। शिवरीनारायण पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खड़े ट्रकों से डीजल चोरी करने वाले अंतर जिला गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने फिल्मी स्टाइल में घेराबंदी कर गिरोह को दबोचा और उनके कब्जे से एक स्कॉर्पियो गाड़ी, ताला तोड़ने के उपकरण और 1280 लीटर डीजल जब्त किया है, जिसकी कुल कीमत लगभग 13 लाख रुपये आंकी गई है।

दरअसल शिवरीनारायण थाने की पुलिस को डीजल चोरी की शिकायत मिल रही थी। जिसपर कार्रवाई के लिए योजना बनाई गई। इस दौरान बीती रात को 3 बजे जांजगीर-चांपा, सक्ती और रायगढ़ जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े ट्रकों की टंकियों का ताला तोड़कर डीजल चोरी करता था। इस दौरान पुलिस ने घेराबंदी कर तीन आरोपियों दिलेश कुमार कुर्रे, अन्नू सांण्डे और विजय कुमार साहू को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो आरोपी मौके से फरार हो गए। आरोपियों के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा 112(2) सहित संगठित अपराध के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी।

बंधक बनाकर वाहन लूटने वाला आरोपी पकड़ाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जनता कॉलोनी दुर्ग निवासी और ट्रांसपोर्ट व्यवसायी कुलदीप यादव के साथ 4 सितंबर 2025 को हुई बंधक बनाकर वाहन लूट की घटना में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी ललित यादव उर्फ लल्ला को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूट की गई चारपहिया वाहन जब्त कर ली गई। पुलिस के अनुसार, मामले में अभी भी दो आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी कुलदीप यादव अपने ट्रांसपोर्ट के काम से 4 सितंबर को दोपहर करीब 12 बजे हीरापुर, रायपुर, शिवाय रोड कैरियर रोड पर अपने वेन्यू कार क्रमांक CG/04/ND/5577 में अकेले पहुंचे। काम पूरा होने के बाद वे 2:30 बजे कुम्हारी के लिए वापस जाने के रास्ते में अटारी चौक के साहू पान ठेला पर सिगरेट लेने रुके। इसी दौरान लाल रंग की दोपहिया मोपेड वाहन में सवार दो युवकों ने उनसे मोबाइल फोन मांगकर बातचीत

की और फोन अपने पास रख लिया।

आरोपियों ने प्रार्थी को आरडीए कॉलोनी छोड़ने के बहाने अपनी चारपहिया वाहन में बैठा लिया और एक साथी को भी वाहन में शामिल कर लिया। इसके बाद आरोपियों ने प्रार्थी से 2000 रुपए शराब खरीदने के लिए मांगे और चाकू दिखाकर डराया। प्रार्थी के मोबाइल से अपने बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करवाए और उसे जबरदस्ती मंदिर हसीद टोलनाका से महासमुंद रोड की ओर ले जाया। रात लगभग 9 बजे, पलौद चौक के पास प्रार्थी ने मौका पाकर वाहन से उतरकर भाग निकलने में सफलता पाई। आरोपियों ने प्रार्थी की चारपहिया वाहन लूट कर पास के गांव के लोगों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद प्रार्थी ने थाना कबीर नगर में अपराध क्रमांक 194/25, धारा 140(3), 309, 3(5) बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना कबीर नगर पुलिस की टीम ने प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ की और आरोपी के छिपने के हर संभावित ठिकानों पर लगातार रेड कार्यवाही की। इसके बाद मोवा निवासी ललित यादव उर्फ लल्ला (28 वर्ष) को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूट की चारपहिया वाहन जब्त की गई। पूछताछ में आरोपी ने अपने अन्य दो साथियों के साथ मिलकर यह घटना अंजाम देना स्वीकार किया।

पुलिस ने बताया कि प्रकरण में अभी भी दो आरोपी फरार हैं और उनकी पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। गिरफ्तार आरोपी ललित यादव का पिता राजकुमार यादव है और वह कांपा नहरपारा, मोवा थाना पंडरी, रायपुर का निवासी है। इस मामले में कार्रवाई में निरीक्षक सुनील दास (थाना प्रभारी कबीर नगर), प्रभारी निरीक्षक परेश कुमार पांडेय (एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट), प्र आर वीरेंद्र भार्गव, सुरेश देशमुख, आर. लक्ष्मी नारायण साहू, अविनाश टंडन, आर. युवराज वर्मा, राकेश कुमार साहू और लोकेश्वर सदावर्ती की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने चेतावनी दी है कि इस तरह की लूट और बंधक बनाने की घटनाओं में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

झांसा देकर नाबालिग युवक को तेलंगाना ले गई युवती, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। चौकी कोतबा क्षेत्र से नाबालिग लड़के को शादी का झांसा देकर तेलंगाना भगा ले जाने वाली 25 वर्षीय युवती को जशपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मामले में आरोपिया के खिलाफबीएनएस की धारा 137(2) और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत अपराध दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। दरअसल,31 अगस्त को चौकी कोतबा क्षेत्र के एक ग्राम निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 25 अगस्त को गांव की ही एक युवती उसके 17 वर्षीय नाबालिग बेटे को बहला-फुसलाकर भगा ले गई है। परिजनों और पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में

खोजबीन की गई, लेकिन कोई पता नहीं चला। शिकायत पर कोतबा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवती के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

विवेचना के दौरान पुलिस ने तकनीकी टीम और मुखबिरों की मदद से सुराग जुटाया। इसी बीच सूचना मिली कि युवती नाबालिग को लेकर तेलंगाना राज्य के मेडचल मलकाजगिरी जिले में है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के निर्देशन पर एक टीम गठित कर आरोपिया और नाबालिग की तलाश के लिए रवाना किया गया। टीम ने वहां से नाबालिग को सुरक्षित बरामद किया और युवती को हिरासत में लेकर जशपुर लाया गया।

पुलिस पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि युवती ने शादी का प्रलोभन देकर उसे भगा लिया था और तेलंगाना में रहते हुए शारीरिक संबंध भी बनाए थे। पुलिस ने दोनों का मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें आरोपिया के खिलाफ लैंगिक शोषण की पुष्टि हुई। इसके बाद प्रकरण में पॉक्सो एक्ट की धारा 6 भी जोड़ी गई।

गांजा के साथ महिला हुई गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर/अभनपुर। राजधानी रायपुर जिले के अभनपुर थाना पुलिस ने एक बार फिर मादक पदार्थों की तस्करी पर बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार की रात थाना प्रभारी उप निरीक्षक नरसिंह साहू के नेतृत्व में की गई रेड कार्यवाही में पुलिस ने 55 वर्षीय महिला श्रीमती घुरवा महार को गांजा की तस्करी करते रंगेहाथ पकड़ा। आरोपी महिला के पास से 420 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 7,000 रुपये बताई जा रही है। आरोपी के खिलाफ NDPS एक्ट की धारा 20 (B) के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेजा गया है।

5 सितंबर 2025 की रात करीब 8:25 बजे मुखबिर ने थाना अभनपुर पहुंचकर सूचना दी कि ग्राम चंडी नहर पार रोड किनारे एक महिला संदिग्ध अवस्था में खड़ी है, जिसके पास सफेद रंग का कैरी बैग है। बैग में अवैध मादक पदार्थ गांजा होने की आशंका जताई गई। मुखबिर की सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तुरंत रवाना हुई और मौके पर दबिश दी। आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी पुलिस ने मौके पर एक पतली-दुबली, सांवली रंग की महिला, जो छिटदार साड़ी और ब्लाउज पहने हुई थी, को रोककर पूछताछ की। उसने अपना नाम श्रीमती घुरवा महार पति द्वारका तिवारी, उम्र 55 वर्ष, निवासी ग्राम चंडी रावतपारा, थाना अभनपुर जिला रायपुर बताया। पुलिस ने उसके पास मौजूद सफेद रंग के कैरी बैग की तलाशी ली, जिसमें गांजा जैसी वस्तु पाई गई।

आरोपी महिला के बैग से प्राप्त मादक पदार्थ को मौके पर गवाहों की मौजूदगी में चखकर, सूंघकर और देखकर गांजा की पुष्टि की गई। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन कराया गया, जिसमें 420 ग्राम गांजा मिला। बरामद गांजा को मौके पर ही सीलबंद कर पंचनामा तैयार किया गया और ई-साक्ष्य के तहत इसकी वीडियोग्राफी भी की गई। आरोपी को संवैधानिक अधिकारों की जानकारी दी गई गिरफ्तारी से पहले पुलिस ने आरोपी महिला को एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 के तहत उसके अधिकारों की जानकारी दी। साथ ही उससे यह विकल्प भी पूछा गया कि वह चाहे तो अपने बैग और शरीर की तलाशी किसी मजिस्ट्रेट या गजेटेड ऑफिसर से करवा सकती है। आरोपी ने अपनी सहमति पुलिस को दी, जिसके बाद विधिवत तलाशी प्रक्रिया पूरी की गई। पूरे घटनाक्रम के बाद आरोपी महिला घुरवा महार को रात करीब 8:45 बजे औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी की सूचना उसके परिजनों को भी दी गई। आरोपी के खिलाफ NDPS एक्ट की धारा 20 (B) के तहत अपराध कायम कर आगे की विवेचना शुरू कर दी गई है।

रायपुर में पकड़ाया लाखों रुपए का गांजा, आरोपी उत्तम दीप गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में गांजा तस्करी का नेटवर्क लगातार बड़ा होता जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में गिरफ्तार किए गए उत्तम दीप का कनेक्शन कुख्यात गांजा कारोबारी मुकेश बनिया से जुड़ा हुआ है। जानकारी मिली है कि उत्तम दीप, मुकेश बनिया के लिए ही लाखों रुपए का गांजा लेने गया था। क्राइम ब्रांच की टीम ने मुखबिर की सूचना पर भाठागांव बस स्टैंड के पास से उत्तम दीप को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से भारी मात्रा में गांजा जब्त किया गया है।

सूत्रों का दावा है कि शहर भर में मुकेश बनिया के गुर्गे सक्रिय हैं, जो लाखों रुपए की गांजा डीलिंग को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस सूत्र बताते हैं कि उत्तम दीप, मुकेश बनिया के नेटवर्क का सिर्फ एक हिस्सा है। इसके जरिए गांजा सप्लाई की डिलीवरी की जाती थी। वहीं, क्राइम ब्रांच इस पूरे नेटवर्क को तोड़ने के लिए अब मुकेश बनिया और उसके अन्य साथियों की तलाश तेज कर चुकी है। रायपुर और आसपास के इलाकों में गांजा की बढ़ती सप्लाई ने पुलिस और प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। यह गिरोह नशे की

आपूर्ति को संगठित तरीके से अंजाम दे रहा है। आने वाले दिनों में इस मामले में और भी चौंकाने वाले खुलासे हो सकते हैं।

राजधानी में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिविल लाइन पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए खादी भंडार, पंडरी इलाके से एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 11.174 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है, जिसकी बाजार में कीमत करीब 1 लाख 10 हजार 500 रुपये आंकी गई है। इस मामले में मुख्य आरोपी के साथ-साथ दो अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जिनकी तलाश जारी है। कार्रवाई एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 (बी) और 27 (क) के तहत की गई है।

जानकारी के अनुसार, थाना सिविल लाइन में पदस्थ उपनिरीक्षक चित्ररेखा साहू को ईद मिलादुन्नबी ड्यूटी के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी कि पंडरी स्थित खादी भंडार के पास एक युवक ग्राहक की तलाश में गांजा बेचने की फिराक में घूम रहा है। युवक के पास ग्रे रंग का छींटदार बैग था, जिसमें नशीला पदार्थ रखा हुआ था। सूचना को रोजनामचा में दर्ज करने के बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में युवक को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसकी पहचान उत्तम दीप पिता जागेश्वर दीप उर्फ बबलू (उम्र 22 वर्ष, निवासी तरुण नगर, सिविल लाइन, रायपुर) के रूप में हुई।

आरोपी की तलाशी में उसके पास मौजूद ग्रे रंग के छींटदार बैग से भूरे रंग के टेप में पैक गांजा के पांच पैकेट बरामद हुए। कुल वजन 11.174 किलोग्राम पाया गया। पुलिस ने इसे सीलबंद कर जब्त किया। बरामद गांजा की अनुमानित कीमत 1,10,500 बताई गई है। पुलिस ने आरोपी से जब दस्तावेज मांगे, तो वह कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर पाया। पूछताछ में सामने आया बड़ा नेटवर्क पुलिस पूछताछ में आरोपी उत्तम दीप ने खुलासा किया कि वह यह गांजा उड़ीसा के भवानीपटना से लाकर रायपुर में बेचता था। उसने बताया कि यह काम वह सिल्लू मिश्रा और अविनाश मंदानी, दोनों निवासी झंडा चौक, पंडरी के कहने पर करता था।

आरोपी ने यह भी स्वीकार किया कि हर किलो गांजा लाने पर उसे 1,000 कमीशन मिलता था, साथ ही आने-जाने का खर्च भी दिया जाता था। इस तरह वह लंबे समय से इस नेटवर्क के साथ जुड़ा हुआ था। पुलिस ने तैयार किया केस, आरोपी गिरफ्तार घटना स्थल पर ही गवाहों की मौजूदगी में मौके का नक्शा तैयार किया गया और आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से बरामद गांजा को सील कर सुरक्षित रखा गया है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफअपराध क्रमांक 00/2025 दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। मुख्य आरोपी उत्तम दीप के साथ-साथ सिल्लू मिश्रा और अविनाश मंदानी को भी आरोपी बनाया गया है। दोनों फरार हैं और उनकी तलाश के लिए पुलिस टीम छापेमारी कर रही है।

मुख्यमंत्री साय ने किया एरोकॉन 2025 का शुभारंभ कैंसर उपचार और शोध में मिलेगी नई दिशा

छात्रों के लिए मेडिकल कॉलेज रायपुर में 65 करोड़ की लागत से बनेगा छात्रावास : मुख्यमंत्री साय

- बस्तर-सरगुजा सहित दूरस्थ अंचलों तक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर सरकार का फोकस
- कैंसर के शोध, रोकथाम और इलाज में उपयोगी साबित होगी एरोकॉन 2025 संगोष्ठी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में वित्तीय संसाधन कभी बाधा नहीं बनेंगे। मुख्यमंत्री साय राजधानी रायपुर स्थित पंडित जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज सभागार में 'एरोकॉन 2025' छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश चैप्टर के दो दिवसीय आयोजन का शुभारंभ कर विशेषज्ञों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने मेडिकल कॉलेज रायपुर के छात्रों के लिए 65 करोड़ रुपये की लागत से नए छात्रावास निर्माण की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हजारों मरीज आज विशेषज्ञ चिकित्सकों के परिश्रम और नवीनतम चिकित्सा पद्धतियों के कारण संजीवनी प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीते दो दशकों में कैंसर की प्रारंभिक पहचान और उपचार के क्षेत्र में हुए शोध से भविष्य के लिए नई उम्मीदें जगी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रत्येक जिले में कैंसर डे-केयर सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं और छत्तीसगढ़ भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत प्रदेश में अनेक मरीजों का इलाज संभव हुआ है। जीएसटी में कैंसर की दवाइयों और उपकरणों को सस्ता किए जाने से मरीजों को बड़ी राहत मिली है। श्री साय ने बताया कि राज्य के अस्पतालों में कैंसर उपचार के लिए अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं और आज ही एम्स रायपुर में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम का शुभारंभ किया जा रहा है, जो यह प्रमाणित करता है कि सरकारी अस्पताल नवीनतम तकनीक अपनाने में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ङ्क) कैंसर की पहचान में बेहद उपयोगी सिद्ध हो रही है और राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में इसे तेजी से शामिल कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार लगातार स्वास्थ्य बजट में वृद्धि कर रही है और नये मेडिकल कॉलेज खोल रही है। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर में 5,000 बिस्तरों की क्षमता वाली मेडिसिटी का निर्माण किया जा रहा है। बस्तर और सरगुजा जैसे दूरस्थ अंचलों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार हर विकल्प पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि सरगुजा, धरमजयगढ़ और बस्तर में नये अस्पताल स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एरोकॉन 2025 संगोष्ठी कैंसर की रोकथाम और उपचार की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एरोकॉन 2025 के सातवें आयोजन में कैंसर उपचार से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ एक मंच पर आए हैं। इससे इस बीमारी के इलाज में नये आयाम खुलेंगे। उन्होंने कहा कि रायपुर स्थित मेकाहारा अस्पताल न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि मध्यभारत के अन्य राज्यों के मरीजों के लिए भी प्रमुख उपचार केंद्र है। भविष्य में अत्याधुनिक तकनीकों और मशीनों के माध्यम से यहां चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मेडिकल कॉलेज रायपुर राज्य का सबसे बड़ा कैंसर सेंटर है, जहाँ आधुनिकतम सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने जानकारी दी कि आने वाले समय में प्रदेश में छह फिजियोथेरेपी कॉलेज स्थापित होंगे, बस्तर और सरगुजा में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल प्रारंभ होंगे, मानसिक रोगियों के लिए पृथक चिकित्सालय और नेचुरोपैथी कॉलेज खोले जाएंगे। मेकाहारा में 232 करोड़ रुपये की लागत से 700 बिस्तरों की वृद्धि की जाएगी तथा रोबोटिक सर्जरी और आईवीएफ सेंटर जैसी नवीनतम सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, मेडिकल कॉलेज रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. विवेक चौधरी, आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.के. पात्रा, विशेषज्ञ चिकित्सकगण, विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सीटी स्कैन मशीन मिलने से शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव में स्वास्थ्य सुविधाओं में हुई बढ़ोत्तरी : विधानसभा अध्यक्ष

पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा एवं ट्रॉमा सेंटर स्थापना के लिए किया गया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव में सीटी स्कैन मशीन का लोकार्पण तथा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की आदमकद प्रतिमा एवं ट्रॉमा सेंटर स्थापना हेतु भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महापौर मधुसूदन यादव एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि शासकीय मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव के लिए आज का दिन गौरवपूर्ण है तथा सीटी स्कैन मशीन मिलने से महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज को 30 करोड़ रूपए की लागत की एमआरआई मशीन मिलेगी, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोत्तरी होगी।

वही 2 करोड़ 69 लाख रूपए के ट्रामा सेंटर का आज भूमिपूजन एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की आदमकद प्रतिमा की स्थापना के लिए भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने इसके लिए सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि निर्णय एवं क्रियान्वयन के लिए सभी के संयुक्त प्रयासों से यह सौगात मिली। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव में 17 सितम्बर 2025 को एक दिवसीय मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें शासकीय एवं निजी हॉस्पिटल के रायपुर, दुर्ग, भिलाई से आए विशेषज्ञ चिकित्सक जनसामान्य को चिकित्सा सेवाएं देंगे। उन्होंने इस एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में लोगों को अधिक से अधिक शामिल होकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने की अपील की।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी को आने वाले पीढ़ी मानस पटल में स्मरण रख सके इसके लिए आदमकद प्रतिमा का भूमिपूजन किया गया है। इसके साथ ही कैजुएल्टी को ध्यान में रखते हुए 2 करोड़ 70 लाख रूपए की लागत से ट्रॉमा सेंटर का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज के विद्यार्थियों के लिए 2 साल का बांड एक वर्ष कर दिया गया है। बांड के एग्रीमेंट की राशि 25 लाख रूपए है, जिसे कम करने या समाप्त करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिना मंत्री एवं समिति के अनुमोदन के मेडिकल कालेज के डीन 20 लाख रूपए तक की राशि स्वास्थ्य के लिए खर्च कर सकेंगे। वहीं संभागायुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति के माध्यम से स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए 2 करोड़ रूपए तक की राशि व्यय कर सकेंगे। मेडिकल कालेज की स्वायत्ता की दृष्टिकोण से यह निर्णय मील का पत्थर है। भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर चिकित्सालय में 1300 ओपीडी बढ़कर 2400 पहुंच गया है। जिसके दृष्टिगत 100 बिस्तर के हास्पिटल का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योग एवं नेचुरोपैथी के 100 बिस्तर के हास्पिटल रायपुर में बनाया जाएगा। स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए सकारात्मक दिशा में निरंतर मेहनत की जा रही है। छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य सुविधाओं का हब बनेगा तथा मेडिकल टूरिज्म के रूप में विकसित होगा। महापौर मधुसूदन यादव ने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव को सीटी स्कैन मशीन की एक बड़ी सौगात मिली है। विधानसभा अध्यक्ष के प्रयासों से 370 करोड़ रूपए की लागत से शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव का निर्माण हुआ है। अन्य जिलों के मरीजों को भी यहां स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेगी। विधानसभा अध्यक्ष के प्रयासों से जिला चिकित्सालय में भी सीटी स्कैन मशीन का मिलना स्वास्थ्य के प्रति उनके समर्पण की भावना को दर्शाता है। सभी के संयुक्त प्रयासों से जिले में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा कार्य किया जा रहा है।

सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक मस्के ने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव को सीटी स्कैन मशीन का मिलना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। चिकित्सा प्रणाली आधुनिक हुई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने चिकित्सा सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया है। निजी चिकित्सालयों से अधिक चिकित्सा सुविधाएं शासकीय क्षेत्र में होनी चाहिए, इस दृष्टिकोण से लगातार कार्य किया जा रहा है। डीन मेडिकल कालेज डॉ. पीएम लुका ने स्वागत उद्बोधन दिया । उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दूरदर्शिता एवं प्रेरणादायी पहल के लिए सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

ट्रामा सेंटर का शुभारंभ होने से जनसामान्य को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेगी

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राजनांदगांव जिले को एक अच्छी सौगात मिली है। सीटी स्कैन मशीन लगने के साथ ही ट्रामा सेंटर का शुभारंभ होने से जनसामान्य को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेगी। इसके लिए उन्होंने सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कार्य करने का जुनून हो तो अच्छे कार्य होते है। उन्होंने बताया कि कबीरधाम जिले में भी मेडिकल कालेज का निर्माण किया जा रहा है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोत्तरी हुई। उन्होंने राजनांदगांव मेडिकल कालेज को एम्स की तर्ज पर अपने मार्गदर्शन में निर्माण कराया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में विशेष तौर पर कार्य कर रहे है। मुख्यमंत्री ने पांच मेडिकल कॉलेज कबीरधाम, जांजगीर-चापा, दन्तेवाड़ा एवं जशपुर में स्वीकृत किए है। जिसका शीघ्र ही शुभारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सुपर मल्टीस्पेशिलिटी हास्टिल प्रारंभ किए जा रहे है तथा 17 जिलों में सीटी स्कैन मशीन एवं एमआरआई मशीन लगाई गई है। उन्होंने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव में 30 करोड़ रूपए की लागत से एमआरआई मशीन लगाया जाएगा। बस्तर क्षेत्र के दूरस्थ अंचलों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही है।

गजमार पहाड़ी बनेगा इको पार्क

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने किए 8 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायगढ़ जिले की ऐतिहासिक और आस्था से जुड़ी गजमार पहाड़ी अब आधुनिक स्वरूप में इको पार्क और इको-टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित होगी। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने आज 08 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का भूमिपूजन कर परियोजना की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने पूजा-अर्चना कर पवनपुत्र हनुमान जी से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

परियोजना के तहत गजमार पहाड़ी पर योग प्लेटफॉर्म, वॉच टॉवर, पाँच पगोड़ा, बच्चों के लिए खेल परिसर, कैंटीन और इको पार्क जैसी सुविधाएँ विकसित की जाएंगी। वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि यह केवल धार्मिक स्थल का जीर्णोद्धार नहीं, बल्कि रायगढ़ के सांस्कृतिक, सामाजिक और पर्यटन विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने कहा कि गजमार पहाड़ी रायगढ़ की शान है और इसका विकास शहर को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, रोजगार और पर्यटन जैसे क्षेत्रों के माध्यम से आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकें। उन्होंने युवाओं को नवगुरुकुल योजना का लाभ उठाने की अपील की, जिसके तहत छात्राएं दो वर्षीय प्रशिक्षण लेकर कौशल विकास कर बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकेंगी। रायगढ़ नगर निगम के महापौर जीवर्धन चौहान ने कहा कि लंबे समय से नागरिकों की मांग थी कि गजमार मंदिर का जीर्णोद्धार हो, जिसे वित्त मंत्री चौधरी के प्रयासों से साकार रूप मिला है। उन्होंने इसे स्थानीय जनसुविधा और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण पहल बताया।

पारदर्शिता और गुणवत्ता पर जोर

वित्त मंत्री चौधरी ने आश्वासन दिया कि गजमार पहाड़ी विकास कार्य पूरी ईमानदारी और गुणवत्ता के साथ किए जाएंगे। उन्होंने हनुमान जी की भव्य मूर्ति निर्माण के लिए जनसहयोग का आह्वान करते हुए स्वयं 5 लाख रुपये का व्यक्तिगत योगदान देने की घोषणा की। साथ ही बालसमुंद तालाब का सौंदर्यीकरण, सड़क निर्माण, पार्किंग सुविधा और रिंग रोड जैसी प्रस्तावित योजनाओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम के अंत में चौधरी ने स्वयं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना : उपभोक्ता बने ऊर्जादाता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने आम उपभोक्ताओं की जिंदगी बदल दी है। पहले जहां लोग हर महीने भारी-भरकम बिजली बिल भरने को मजबूर थे, वहीं अब वही उपभोक्ता अपनी छत पर सोलर पैनल लगाकर खुद ऊर्जा पैदा कर रहे हैं और उनका बिजली बिल लगभग शून्य हो गया है।

यह योजना न केवल उपभोक्ताओं के लिए राहत लेकर आई है, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में देश को मजबूती भी दे रही है। इस योजना में केन्द्र और राज्य सरकार दोनों की तरफसे सब्सिडी दी जा रही है। एक और दो किलोवाट क्षमता वाले सोलर प्लांट पर उपभोक्ताओं को 75 प्रतिशत तक की राशि सब्सिडी के रूप में मिल रही है। इससे प्लांट लगाने की लागत काफी कम हो गई है। साथ ही साथ बैंकों से आसान मासिक ईएमआई की सुविधा भी उपलब्ध है।

गरियाबंद जिले के उपभोक्ताओं ने इस योजना को अपनाकर सफलता की मिसाल कायम की है। उनका कहना है कि पहले बिजली बिल चुकाने की चिंता रहती थी, लेकिन अब बिजली बिल लगभग खत्म हो जाने से घर का खर्च भी काफी कम हो गया है और वे खुद को ऊर्जादाता मानते हैं। अब तक जिन उपभोक्ताओं का औसत मासिक बिजली बिल 1000 रुपये से अधिक आता था, वे अब अपनी छत से ही 25 साल तक मुफ्त बिजली प्राप्त कर सकेंगे। यही कारण है कि हॉफबिजली बिल योजना का लाभ लेने वाले उपभोक्ता अब मुफ्त बिजली की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

सरकार की मंशा भी यही है कि लोग सिर्फ शासकीय योजनाओं पर निर्भर न रहें, बल्कि अपने घर की छत पर रूफ्टॉप सोलर प्लांट लगाकर आत्मनिर्भर बनें। योजना पूरी तरह ऑनलाइन है और इसका आवेदन पीएम सूर्यघर मोबाइल एप, सीएसपीडीसीएल वेबसाइट, मोर बिजली एप या टोल फ्री नंबर 1912 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950